04 - अबकी बार अल्पमत सरकार?

05 - संस्कृति और इतिहास का प्रमाणिक दस्तावेज है संग्रहालय

A Daily News Magazine

भोपाल

शनिवार, 18 मई, 2024

06- अवैध उत्खनन मामले में रेत माफिया रिकू राठौर, अरशद कुरैशी, महेन्द्र...

07- मालती जोशी- मां की याद दिलाता व्यक्तित्व

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 250 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

नींद से जगाया जाता है
प्रतिशोध के लिए
रामायण के एक पात्र को
लेकिन जब वह जाग ही गया
तो कैसा प्रतिशोध, कैसा युद्ध?
कभी-कभी
किसी पात्र का जागना
पूरे युग का जागरण हो जाता है
और कतिपय सो जाना...
कि इस तरह
जाग जाना
मुहिम है नकार की
गरज यह कि
एक दूसरी तंद्रा की
तैयारी की जा रही
उसके लिए।

- मोहन सगोरिया

प्रसंगवश

चुनावों में एआई, डीपफेक और गलत जानकारियों का खतरा

मेरिल सेबेस्टियन

पिछले साल नवंबर में मुरलीकृष्णन चिन्नादुरै ब्रिटेन में तमिल भाषा के एक कार्यक्रम का यू-ट्यूब पर लाइव प्रसारण देख रहे थे। मुरलीकृष्णन को लग रहा था कि इस लाइवस्ट्रीम में कुछ तो गड़बड़ी है। उस कार्यक्रम में दुवारका नाम की एक महिला भाषण दे रही थी, जिसे तमिल उग्रवादी संगठन लिट्टे के प्रमुख वेलुपिल्लै प्रभाकरण की बेटी बताया गया था। दिक्कत ये थी कि दुवारका 2009 में श्रीलंका में चल रहे गृह युद्ध के दौरान एक हवाई हमले में मारी गई थी। हालांकि, उसके बाद से 23 बरस की दुवारका का शव कभी बरामद नहीं हुआ। और अब, यहां ब्रिटेन में वो मध्यम उम्र की एक महिला के तौर पर पूरी दुनिया के तमिलों से अपील कर रही थी कि वो अपनी सियासी लड़ाई को आगे बढ़ाएं।

मुरलीकृष्णन चिन्नादुरै, दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य में रहने वाले एक फैक्ट चेकर हैं। उन्होंने तुरंत भांप लिया कि दुवारका की जिस तस्वीर को असली बताया जा रहा था, वो असल में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से तैयार की गई है। मुरलीकृष्णन ने बताया कि, 'तमिलनाडु के लोग इस मसले को लेकर बेहद जज़्बाती हैं। और, चुनावों के बीच ये गलत जानकारी बड़ी तेज़ी से फैल सकती है।'

आज जब भारत में चुनाव हो रहे हैं, तो आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार कंटेंट की भरमार की अनदेखी नहीं की जा सकती है। प्रचार के वीडियो, तमाम भारतीय भाषाओं में लोगों के लिए निजी ऑडियो संदेश और यहां तक कि उम्मीदवार की आवाज में मतदाताओं को की जाने वाली स्वचालित फोन काल तक इसमें शामिल हैं। शाहिद शेख़ जैसे कंटेंट तैयार करने वालों के लिए एआई की मदद से ऐसी सामग्री तैयार करना मज़ेदार रहा, जिसमें वो राजनेताओं को ऐसे अवतार में दिखा रहे थे, जो इससे पहले कभी नहीं देखे गए: मसलन वर्ज़िश के कपड़े पहने हुए, संगीत सुनते हुए और नाचते गाते हुए। जैसे जैसे आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के टूल और उन्नत होते जा रहे हैं, वैसे इन्हें लेकर जानकारों की चिंता बढ़ती जा रही है। ख़ासतौर से फ़ेक न्यूज को असली बताकर पेश करने के मामले में। भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, एस वाई कुरैशी कहते हैं कि इनसे पूरे देश में आग भड़क उठने का डर है।

हाल में हुई तकनीकी तरक्क़ी का फ़ायदा उठाने के मामले में भारत के सियासी दल कोई पहले नहीं हैं। सीमा के उस पार पाकिस्तान में इसी तकनीक ने जेल में बंद इमरान ख़ान को एक रैली संबोधित करने का मौक़ा दिया था। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उभरती हुई तकनीकों का इस्तेमाल असरदार चुनाव अभियान चलाने के लिए पहले से करते आए हैं। वो लोगों को हिंदी मे संबोधित करते हैं, और इसके साथ साथ उनके भाषण को सरकार द्वारा निर्मित एआई के टूल भाषिणी की मदद से तमिल भाषा में अनुवाद करके सुनाया जा रहा होता है। लेकिन, इन तकनीकों का इस्तेमाल शब्दों और संदेशों की हेरा-फेरी के लिए भी किया जा सकता है।

अभी पिछले महीने वायरल हुए दो वीडियो में बॉलीवुड के सितारों रणवीर सिंह और आमिर खान को विपक्षी दल कांग्रेस का प्रचार करते हुए दिखाया गया था। दोनों ही अभिनेताओं ने इन वीडियो को डीपफेक बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि इन्हें उनकी इजाज़त के बगैर बनाया गया है।

इसके बाद 29 अप्रैल को खुद प्रधानमंत्री मोदी ने एआई की मदद से उनके अपने और बीजेपी के दूसरे नेताओं के भाषणों को तोड़-मरोड़कर पेश करने को लेकर चिंता जताई थी। अगले ही दिन पुलिस ने दो लोगों को गिरफ़्तार किया था। इनमें से एक कांग्रेस पार्टी का तो दूसरा आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता था। इन दोनों को गृह मंत्री अमित शाह के वीडियो को काट-छांटकर पेश करने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया था।

विपक्षी दल, नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी पर भी इसी तरह के इल्ज़ाम लगाते आए हैं। जानकारों के मुताबिक़, समस्या ये है कि इन गिरफ़्तारियों के बावजूद, इन नक़ली और तोड़-मरोड़कर तैयार किए जा रहे कंटेंट से निपटने की कोई व्यापक क़ानूनी व्यवस्था नहीं है। डेटा और सुरक्षा के रिसर्चर श्रीनिवास कोडाली कहते हैं, 'इसका मतलब ये है कि अगर आप कुछ ग़लत करते हुए पकड़े जाते हैं तो आपको बस हल्की फुल्की सज़ा देकर छोड़ दिया जाएगा।' राजनेताओं ने ऐसे कंटेंट तैयार करने वालों से अपने विरोधियों की पोर्नोग्राफिक तस्वीरें और मॉर्फ किए गए वीडियो तैयार करने के लिए भी कहा, ताकि उनकी छवि को नुक़सान पहुंचाया जा सके।

दिव्येंद्र सिंह जादौन दि इंडियन डीपफेकर (टीआईडी) के संस्थापक हैं, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मुफ़्त में उपलब्ध सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके लोगों को राजनेताओं की प्रचार सामग्री तैयार करने में मदद करती है। वो कहते हैं कि उनकी कंपनी अपने हर कंटेंट में डिसक्लेमर लगाने पर ज़ोर देती है, ताकि ये स्पष्ट रहे कि ये असली वीडियो नहीं है। लेकिन, इस पर क़ाबू पाना फिर भी दुश्वार है।

'अब तो डीपफेक बनाना इतना आसान हो गया है कि इसे कोई भी तैयार कर सकता है। आपके पास बस एक कंप्यूटर होना चाहिए।'

इन जोखिमों के बावजूद, भारत ने शुरुआत में कहा था कि वो आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के लिए कोई क़ानून बनाने पर विचार नहीं कर रहा है। हालांकि, इस साल मार्च महीने में सरकार उस वक्त अचानक हरकत में आ गई, जब 'क्या मोदी फासीवादी हैं?' सवाल पर गूगल के जेमिनी चैटबॉट के जवाब को लेकर विवाद खड़ा हुआ था।

भारत के सूचना और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि इससे भारत के आईटी क़ानूनों का उल्लंघन हुआ है। उसके बाद से भारत सरकार ने तकनीकी कंपनियों से कहा है कि वो जेनरेटिव एआई के 'कम परीक्षण किए गए' और 'भरोसा न करने लायक़' मॉडल या टूल जारी करने से पहले सरकार से इजाज़त लें। सरकार ने इन कंपनियों को ऐसे टूल्स के उन जवाबों को लेकर भी चेतावनी जारी की 'जो चुनावी प्रक्रिया की अक्षुण्णता के लिए ख़तरा पैदा करते हों।'

लेकिन, इतने भर से काम नहीं चलने वालाः फैक्ट चेक करने वाले कहते हैं कि ऐसे कंटेंट का लगातार पर्दाफ़ाश करना बहुत बड़ी चुनौती है, ख़ासतौर से चुनाव के दौरान जब गलत सूचनाओं की बाढ़ आ जाती है। श्रीनिवास कोडाली कहते हैं कि ये नकली कंटेंट तो मुख्यधारा के मीडिया तक में फैल रहे हैं। इसके बावजूद, 'चुनाव आयोग आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस को लेकर सार्वजनिक रूप से ख़ामोशी बनाए हुए है।' जानकार कहते हैं कि इसका कोई ठोस समाधान नहीं है।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सीएम यादव बोले-

अंग्रेज चले गए, कांग्रेस छोड़ गए

यूपी के बलरामपुर में कहा-ये वो पूंछ है जो सीधी ही नहीं होती

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर चार चरणों में मतदान होने के बाद अब सीएम दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। शुक्रवार को सीएम ने उत्तरप्रदेश की श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र के बलरामपुर में भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्रा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

सीएम ने कहा- मुझे लगता है कुछ पार्टियों के अपने नाम में भी संशोधन करने की जरूरत है। आप बताओ, अंग्रेज चले गए जिन्होंने वर्षों तक इस देश के अंदर फूट डालो और राज करो, देश को जड़ों से काटने का प्रयास किया। लूटने-खसोटने का काम किया। 1857 की क्रांति के बाद उनको लगा कि हमको राज करने में जनता के बीच में से अपने कुछ लोग बिठाने पड़ें जो उनकी जय-जयकार करें। और उनकी जय-जयकार के पीछे वो विदेश की जय-जयकार करें। उनके लक्षण आज तक दिखाई दे रहे हैं। अंग्रेज चले गए कांग्रेस छोड़ गए, ये आज तक वही करते आ रहे जो अंग्रेजों के टाइम पर करते आए हैं। ना तब बदले थे ना आज बदले हैं। ये वो पूंछ है जो सीधी नहीं होती। कितनी भी भोखली में भर दो। जब भी करते हैं उल्टा ही काम करते हैं। बड़ी-बड़ी बात करते हैं मैं नहीं डरता। मैं ये कर दूंगा, अच्छी बात है भाईसाब कर देना।

मुस्लिम बंधु हमारे साथ दिखते हैं तो कांग्रेस-सपा का पेट खराब होता है

सीएम ने कहा- यहां बड़ी संख्या में मुस्लिम बंधु बैठे हैं। हमारे साथ मुस्लिम बंधु साथ दिखाई देते हैं तो किसी का पेट खराब होता है तो वो कांग्रेस वाले हैं, समाजवादी वाले हैं। पता नहीं कौन-कौन हैं? पता नहीं उनके मन में क्यों ऐसा आता है। हम स्वर्गीय अटल जी को याद करें, वो दो बार बलरामपुर से लड़े थे। उन्होंने योग्यता के आधार पर अगर राष्ट्रपति भी बनाया तो हमारे मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम को बनाया था। कांग्रेस वाले सपा वाले जितने भी लोग हैं ये कुछ लोगों को अपने वोट का गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं।

गांधी परिवार की दिल्ली से चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं

सीएम ने कहा- देश में आजादी के बाद से आपके परनाना तो सरकार चला रहे थे। उसके बाद उनकी बेटी, उसके बाद बेटा, बेटे के बाद बहू, सब सरकार तो आप ही चला रहे, लेकिन आपकी हिम्मत नहीं पड़ी कभी दिल्ली से चुनाव लड़ लें। आप भागकर यूपी की धरती पर आते हो। आप कितने बहादुर हो ये अपने आप दिखाई दे रहा है। जो कहते हैं हमने देश को बदला, देश में शासन किया। पहले तो उन लोगों को पसंद ही नहीं आया कि राम मंदिर बनना चाहिए था।

भोजशाला में एएसआई सर्वे का 57वां दिन

अधिकारियों की संख्या बढ़ी, सर्वे के बिंदुओं को लेकर काम हो रहा है

धार (नप्र)। केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन धार की भोजशाला में सर्वे काम जारी है, जिसका 17 मई को 57वां दिन था। जुमे की नमाज के चलते अल सुबह ही एएसआई की टीम ने सर्वे के तहत काम शुरू कर दिया था। टीम के लोग 6 बजे ही परिसर में पहुंच गए थे। नमाज के चलते यहां पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

अभी एएसआई के 17 अधिकारी, कर्मचारी, 37 मजदूरों सहित पक्षकारों की मौजूदगी में सर्वे के बिंदुओं को लेकर काम हो रहा है। पिछले पांच दिनों से अधिकारियों की संख्या कम थी। आज करीब 4 अधिकारी फिर टीम में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में धीमी गति से चल रहे सर्वे के कार्य को थोड़ी गति मिलने की उम्मीद है।

दरअसल एक दिन पूर्व गर्भगृह क्षेत्र में 15 फीट गहराई तक दो दीवारें नजर आई। अब दीवारों के आसपास से मिट्टी हटाने का काम हो रहा हैं। वहीं गुरुवार को एक दिन पहले उत्तरी भाग में जंग लगी लोहे की तलवार मिली थी, इसके काल की गणना के लिए वैज्ञानिक परीक्षण कराया जा रहा है।

मोदी हिन्दू-मुसलमान नहीं करता, इंडी गठबंधन के पापों का इतिहास बताता है

यूपी के बाराबंकी में पीएम बोले-कांग्रेस आई तो राममंदिर पर चलवा देगी बुलडोजर

पीएम बोले-कांग्रेस ने रातों-रात कर्नाटक में मुसलमानों को ओबीसी आरक्षण दे दिया

बाराबंकी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बाराबंकी लोकसभचा सीट के लिए आयोजित जनसभा में कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि अगर कांग्रेस आई तो राममंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदल देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राम मंदिर पर बुलडोजर चलवा देगी। प्रधानमंत्री ने इंडी गठबंधन को नसीहत भी दी कि उन्हें योगी जी से ट्यूशन लेना चाहिए कि कहां बुलडोजर चलाना है और कहां नहीं। पीएम मोदी शुक्रवार को यहां जैदपुर मार्ग के समीप विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट की ताकत ने 500 साल के इंतजार को खत्म करके भव्य राममंदिर में श्रीरामलला को विराजमान कराया। पहले जब लोग रामलला को टेंट में देखते थे तो सरकार को भद्दी-भद्दी गालियां देते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि योगी जी के ओडीओपी मिशन से अब मुझे विदेश जाते वक्त गिफ्ट लेने के लिए चिंता नहीं करनी पड़ती। यूपी में जो सफाई अभियान योगी जी ने चलाया है, उसके कारण यहां निवेश का माहौल बना है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने रातों-रात कर्नाटक में ठप्पा मारकर मुसलमानों को ओबीसी का आरक्षण दे दिया है।

- **समाजवादी शहजादे का दिल टूट गया है, बस आंसू नहीं निकले-** प्रधानमंत्री ने कहा कि नई सरकार में मुझे गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए बहुत सारे बड़े फैसले लेने हैं। इसलिए मैं बाराबंकी और मोहनलालगंज के लोगों से आशीर्वाद मांगने आया हूं। आज आपके सामने एक तरफ देशहित के लिए समर्पित बीजेपी एनडीए का गठबंधन है। दूसरी तरफ देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए इंडी गठबंधन मैदान में है। इनके सपनों की इंतहा देखिए, कांग्रेस के नेता ने कह दिया कि रायबरेली के लोग प्रधानमंत्री चुनेंगे। ये सुनते ही समाजवादी शहजादे का दिल टूट गया, बस आंसू नहीं निकले, मगर दिल के सारे अरमां बह गये।
- **5 साल मोदी को गाली नहीं, क्षेत्र का विकास करने वाला सांसद चाहिए-** प्रधानमंत्री ने कहा कि इस ऊटपटांग खिचड़ी को आप लोग वोट देकर अपना वोट बर्बाद न करें। भाजपा का सांसद होगा तो दिल्ली और लखनऊ से योजनाएं लेकर आएगा। अगर इंडी गठबंधन का सांसद होगा तो उसका मापदंड होगा कि उसने मोदी को कितनी गाली दी। 5 साल मोदी को गाली नहीं, क्षेत्र का विकास करने वाला सांसद चाहिए। इसके लिए आपके पास एक ही विकल्प है ओनली कमल। बाराबंकी से राजरानी रावत और मोहनलालगंज से कौशल किशोर को हर बूथ पर विजयी बनाना है।

जिस हद तक गिर सकता है गिर जा, भगवान सब देख रहा है

● इसे लगता है कि खुद को बचा लेगा पर एक दिन सबका सच सामने आ जाएगा ● स्वाति मालीवाल ने किया ट्वीट,लिखा- हिटमैन ने खुद को बचाने की कोशिशें की शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुए हमले को लेकर सीसीटीवी फुटेज जांच की मांग की है। मालीवाल ने कहा है कि एक दिन सबका सच सामने आ जाएगा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा है कि वह खुद को बचाने की कोशिश में जुट गया है, लेकिन एक दिन सबकी सच्चाई दुनिया के सामने आएगी। स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, हर बार की तरह इस बार भी इस राजनीतिक हिटमैन ने खुद को बचाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। अपने लोगों से ट्वीट्स करवाके, आधी बिना संदर्भ की वीडियो चलाके, इसे लगता है यह इस अपराध को अंजाम देके खुद को बचा लेगा। कोई किसी को पीटते हुए वीडियो बनाता है भला। घर के अंदर की और कमरे की सीसीटीवी फुटेज की जांच होते ही सत्य सबके सामने होगा। जिस हद तक गिर सकता है गिर जा, भगवान सब देख रहा है। एक ना एक दिन सबकी सच्चाई दुनिया के सामने आएगी। उन्होंने साफ नहीं किया है कि आखिर यह हिटमैन कौन है। स्वाति मालीवाल की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय पर सामने आई जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें महिला सोफे पर बैठी है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 18 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

आगर पुलिस पर 3 लाख रिश्वत लेने का आरोप

भाजपा विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ एसपी ऑफिस घेरा; दो हेड कॉन्स्टेबल निलंबित

आगर मालवा (नप्र)। आगर कोतवाली थाने में पदस्थ दो हेड कॉन्स्टेबल पर शिकायत दर्ज करने के एवज में 3 लाख रुपए रिश्वत लेने के आरोप लगे हैं। इसकी जानकारी जब भाजपा विधायक मधु गेहलोत को लगी तो उन्होंने समर्थकों के साथ गुरुवार रात एसपी कार्यालय का घेराव कर दिया। जिसके बाद एसपी विनोद कुमार सिंह ने हेड कॉन्स्टेबल नरेंद्र सिंह भाटी और हेड कॉन्स्टेबल राधेश्याम विश्वकर्मा को निलंबित कर मामले की जांच सीएसपी को सौंप दी। दरअसल, एक जमीन के सौदे में विक्रय पत्र संपादित होने के बाद पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद दूसरे पक्ष ने भी शिकायती आवेदन दे दिया। केस दर्ज करने के एवज में 28 अप्रैल को दोनों हेड कॉन्स्टेबल को 3 लाख रुपए रिश्वत दी गई। 1 मई को धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया। इस पूरे मामले की जानकारी विधायक मधु गेहलोत को 16 मई को लगी।

विधायक गेहलोत ने कहा, जिले की पुलिस भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। इस तरह की रिश्वतखोरी करने से सरकार बदनाम होती है। जो रिश्वतखोरों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो सबको हिला कर रख दूंगा। चाहे 100 गाड़ी ले कर जाना पड़े, सीएम हाउस पर धरने पर बैठूंगा। विधानसभा में ऐसे भ्रष्ट लोग नहीं चाहिए। मैं भ्रष्ट हुआ तो काट दो मेरा टिकट, मैं इस्तीफा दे दूंगा।

झूठी शिकायत के खिलाफ की थी कार्रवाई की मांग- आवेदनकर्ता डॉ. नरेन्द्र सिंह ठाकुर और गिरीराज बंसिया ने बताया, झलारा में एजाज एहमद से 1 करोड़ 75 लाख रुपए में जमीन का सौदा किया था। उसे 52 लाख रुपए नकद दिए थे। बाकी की राशि चेक से दी, लेकिन उसने बाहर जाने की बात कही और चेक वापस कर दिया। इसके बाद हमने बची हुई राशि उसके खाते में आरटीजीएस और दलाल के माध्यम से जमा कराई।

सौदे की पूरी राशि देने के बाद भी उसने झूठी शिकायत कर वकील के जरिए नोटिस भेजा और 75 लाख रुपए की मांग की। जिस पर हमने कोतवाली थाना में आवेदन दिया। यहां केस दर्ज करने के एवज में दोनों हेड कॉन्स्टेबल ने तीन लाख की मांग की। हमने राशि भी दे दी। इसके बाद भी केस दर्ज नहीं किया गया। दबाव बनाने पर तीन दिन बाद एजाज खान के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। मामले में प्रधान आरक्षक राधेश्याम विश्वकर्मा ने सभी आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि किसी तरह की कोई रिश्वत नहीं ली है।

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी नेताओं के कई ठिकानों पर सीबीआई की रेड

- चुनाव बाद हुई हिंसा मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेताओं के कई ठिकानों पर सीबीआई ने छापेमारी की। इस दौरान सीबीआई ने टीएमसी नेता देबब्रत पांडा और नंददुलाल मैती के यहां छापेमारी की। सीबीआई की तरफ से ये कार्रवाई 2021 में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में मारे गए बीजेपी कार्यकर्ता से जुड़े मामले में हुई है। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल के पूर्बी मेदिनीपुर जिले के कांथी इलाके में टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। साल 2021 में चुनाव बाद हुई हिंसा मामले में सीबीआई ने यह छापेमारी की है। साल 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव के काफी हिंसा हुई थी।

सपा विधायक मनोज पांडेय ने थाम लिया बीजेपी का दामन

- रायबरेली में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिलाई सदस्यता

रायबरेली (एजेंसी)। ऊंचाहार से सपा विधायक मनोज पांडेय ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। रायबरेली में गृह मंत्री अमित शाह ने उनको पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इस मौके पर शाह ने कहा कि मनोज पांडेय आज बीजेपी के साथ आ गए हैं। वह सनातन का साथ देने आए हैं। वहीं, मनोज पांडेय ने कहा कि वह राजनीति में रहें न रहें लेकिन सनातन के साथ रहेंगे। गर्दन भले कट जाए लेकिन भगवान राम ही मेरे हैं। आपको बता दें कि इस साल फरवरी में हुए राज्यसभा चुनाव में मनोज पांडेय ने बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में वोट दिया था। तभी से इनके बीजेपी में जाने की अटकलें लग रही थीं। उस दौरान मनोज पांडेय ने कहा था कि उन्होंने अंतरात्मा की आवाज पर क्रॉस वोटिंग की है।

गिरिराज बोले-बिहार में मदरसा बने आतंक का अड्डा

पटना (एजेंसी)। तेजस्वी यादव ने गिरिराज सिंह पर निशाना साधा है। उन्होंने पटना में शुक्रवार को कहा कि उन लोगों को मुद्दे पर बात करनी चाहिए, हिंदू-मुस्लिम पर नहीं। इस दौरान तेजस्वी ने एक बार फिर से लोकसभा की सारी सीट पर इंडी गठबंधन की जीत होने का दावा किया है। तेजस्वी ने कहा कि जिस तरह चारों चरण में इंडी गठबंधन का बोलबाला रहा। इंडी गठबंधन के प्रत्याशी जीत हासिल करेंगे। दरअसल, गिरिराज सिंह ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर में कहा था कि कि बिहार का मदरसा आतंक का अड्डा है।

सीएम मोहन यादव ने की बजट तैयारियों पर बैठक

वित्त बजट के प्रारूप और प्राथमिकताओं पर हुई चर्चा

21 मई से विभागवार होंगी बैठकें

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को वित्त विभाग के अफसरों के साथ बैठक की। जिसमें जुलाई में होने वाले विधानसभा सत्र में लाए जाने वाले वित्त बजट की तैयारियों को लेकर चर्चा की। वित्त विभाग के अलावा आधा दर्जन अन्य विभागों के अफसरों की बैठक में मुख्यमंत्री ने आगामी बजट की कार्ययोजना को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं से अफसरों को अवगत कराया, और इसके आधार पर विभागों से प्रस्ताव मंगाने को कहा है। बजट को लेकर हुई इस पहली बैठक में चुनिंदा अफसरों के अलावा अन्य अधिकारियों को दूर रखा है। दूसरी ओर, वित्त विभाग ने बजट को लेकर विभागों के साथ बैठक का रूट चार्ट तय कर बैठकों की तारीख घोषित कर दी है। वित्त विभाग ने सभी विभागों को दिए निर्देश में कहा है कि 20 मई तक वे अपने विभागों के बजट प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेज दें। इसके बाद 21 मई से 5 जून तक विभाग के उपसचिवों के साथ विभिन्न विभागों के अफसरों की अलग-अलग बैठकों पर चर्चा कर बजट प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। इसी के चलते विभागीय बैठकों की तारीखें भी तय कर दी गई हैं।

16 दिन तक ऐसे चलेगा बैठकों का दौर

- 21 मई- औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन, उच्च शिक्षा, कुटीर और ग्रामोद्योग, धार्मिक न्यास और धर्मस्व, आनंद विभाग, भोपाल गैस त्रासदी राहत और पुनर्वास, लोक सेवा प्रबंधन, ऊर्जा, नवीन और नवकरणीय ऊर्जा।
- 22 मई- पीएचई विभाग, श्रम, विमुक्त घुमंतु और अर्धघुमंतु जनजाति, जनसंपर्क, सामाजित न्याय और निशक्तजन कल्याण, स्कूल शिक्षा और पर्यटन विभाग।
- 24 मई- नर्मदा घाटी विकास विभाग, संसदीय कार्य, आयुष, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण, नगरीय विकास और आवास विभाग, जल संसाधन विभाग।
- 25 मई- पशुपालन विभाग ● 27 मई- विमानन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सहकारिता विभाग, महिला और बाल विकास विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण, विधि और विधायी कार्य विभाग, लोक निर्माण विभाग।
- 28 मई- गृह विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग, पर्यावरण विभाग
- 29 मई- खनिज साधन विभाग, परिवहन, वन, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, मछुआ कल्याण और मत्स्य विभाग, खेल और युवा कल्याण विभाग
- 30 मई- जेल, किसान कल्याण और कृषि विकास, एमएसएमई, वाणिज्यिक कर।
- 31 मई- योजना आर्थिक और सांख्यिकी विभाग, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, संस्कृति, प्रवासी भारतीय, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण, ग्रामीण विकास

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी का बड़ा ऐक्शन

एएपी और केजरीवाल को पहली बार बनाया आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा ऐक्शन लिया है। ईडी ने शुक्रवार को सप्लीमेट्री चार्जशीट दायर करते हुए पहली बार आम आदमी पार्टी और इसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को आरोपी बनाया। यह पहला मौका है जब किसी राजनीतिक दल को पीएमएल केस में आरोपी बनाया गया है।

इसके अलावा कथित घोटाले में पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री को भी आरोपी बनाया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली कथित शराब घोटाले में शुक्रवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पूरक आरोपपत्र दायर किया। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा इस मामले में दायर यह आठवां आरोप पत्र है।

इस चार्जशीट में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ दायर यह पहली चार्जशीट है। दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 50 दिन तिहाड़ जेल में बंद रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के सीएम को चुनाव प्रचार के लिए 1 जून तक की अंतरिम जमानत दी थी।

राजस्थान में भीषण एक्सीडेंट पांच महिलाओं की हो गई मौत

- 13 लोग घायल, भरतपुर में नेशनल हाईवे पर ट्रक में घुसी बस, आगे का पूरा हिस्सा खत्म

भरतपुर (एजेंसी)। भरतपुर के हलैना के पास नेशनल हाईवे पर जयपुर जा रही बस आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। इस भीषण सड़क हादसे में 4 महिलाओं की मौत हो गई। 13 यात्री घायल हो गए हैं। हलैना थाना इंचार्ज बृजेंद्र शर्मा ने बताया- हादसा दोपहर 1.30 बजे हुआ। घायलों को हलैना हॉस्पिटल लेकर गए। 13 में से 8 घायलों को भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया है। 5 घायलों का इलाज हलैना हॉस्पिटल में चल रहा है। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस के ड्राइवर और कंडक्टर घायल हैं। ट्रक ड्राइवर फरार है। बस उत्तर प्रदेश (यूपी) परिवहन के अलीगढ़ डिपो की है। वह अलीगढ़ से जयपुर जा रही थी। ट्रक भी जयपुर की तरफ जा रहा था। उसमें लकड़ियां भरी हुई थीं।

हर महीने की एक तारीख को 'खटाखट' आएंगे पैसे

- अमेठी की जनसभा में बोले राहुल गांधी, सपा चीफ अखिलेश यादव भी थे साथ

कहा-युवाओं ने रोजगार मांगा तो मोदी जी ने कहा-नाले में पाइप डालो और पकौड़े तलो

अमेठी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेठी में संयुक्त जनसभा की। राहुल ने कहा- 4 जून को अमेठी के सभी गरीबों की लिस्ट बनेगी। हर गरीब परिवार में से एक महिला का नाम चुना जाएगा। 5 जून को हम कानून बनाएंगे। हर गरीब महिला को साल में एक लाख रुपए दिए जाएंगे। इसी साल 4 जुलाई को 8 हजार 500 रुपए बैंक खाते में आएगा। हर महीने की 1 तारीख को खटाखट-खटाखट पैसे आएंगे। राहुल ने कहा, जब आपने रोजगार मांगा तो मोदी जी ने कहा-नाले में पाइप डालो, गैस निकलेगी। गैस से चूल्हा जलाओ और पकौड़े तलो। यह आपका अपमान है। अमेठी के युवाओं का अपमान है। अखिलेश ने कहा- मैं देख रहा हूं जब से इंडी गठबंधन चुनाव मैदान में आ गया है। तब से भाजपा ने अपनी पोटली अमेठी से बांध ली है। यह चुनाव ऐतिहासिक चुनाव होने जा रहा है।

- **राहुल बोले-किशोरी लाल 40 साल से अमेठी की सेवा कर रहे-** राहुल ने कहा- मेरे पापा ने 150 कोऑर्डिनेटर बनाए थे। उसमें किशोरी लाल शर्मा जी भी थे। किशोरी जी ने अमेठी में काम किया। आपके लिए काम किया लेकिन आप बाकी कोऑर्डिनेटर को देखें, तो कोई कुछ न कुछ जरूर बन गया। कोई कहीं एमपी और एमएलए बन गए। सभी ने स्टेट तक चलाए। लेकिन किशोरी लाल ने 40 साल अमेठी की जनता को दिए हैं। इन्होंने आपके लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। अपना पूरा पॉलिटिकल करियर यहां की जनता को दिया है। इसलिए इन्हें एमपी बनाइए।
- **राहुल बोले- नोटबंदी से बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी-** राहुल ने कहा- नरेंद्र मोदी ने आपकी जेब से पैसा निकालकर अडानी की जेब में डाल दिया है। सभी दुकानें बंद हो गईं। नोटबंदी कर दी तो बेरोजगारी और महंगाई बढ़ गई। हम पैसा देंगे तब युवा सब कुछ खरीद पाएंगे। जैसे ही यह पैसा मार्केट में जाएगा, सभी कंपनियां फिर से चालू हो जाएंगी। राहुल ने कहा- पक्की नौकरी मिलेगी। बेहतरीन ट्रेनिंग मिलेगी। बैंक अकाउंट में पहली तारीख को 8 हजार 500 रुपए खटाखट-खटाखट जाएगा। 4 जून के बाद हम यह योजना लागू करेंगे। राहुल ने कहा- अग्निवीर सेना को नहीं चाहिए थी।

5वां चरण

लालू-रामविलास की सियासी विरासत पर अब लगेगी 'मुहर'

- बिहार में रोहिणी आचार्य और चिराग की ताकत की होगी परीक्षा

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में यूं तो बिहार की पांच लोकसभा सीटों पर मतदान होना है, लेकिन लोगों की नजर सारण और हाजीपुर लोकसभा क्षेत्रों पर होगी, जहां मतदाता बिहार की राजनीति के दो दिग्गज राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक रहे स्वर्गीय रामविलास पासवान की सियासत की विरासत पर फैसला करेंगे। इस चुनाव में लालू प्रसाद के परिवार की परंपरागत सीट समझे जाने वाले सारण से लालू की विरासत संभालने के लिए विपक्षी दल के महागठबंधन ने उनकी बेटी रोहिणी आचार्य को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं, एनडीए ने हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र से लोजपा संस्थापक के पुत्र चिराग पासवान को अपना प्रत्याशी बनाया है। हाजीपुर क्षेत्र रामविलास की कर्मभूमि रही है। यहां से वे रिकॉर्ड मतों से जीतकर गिनीज बुक में नाम भी दर्ज करवा चुके हैं। इस सीट पर सामाजिक आधार हो या वोट बैंक की राजनीति, देश के मुद्दे हों या राज्य के मुद्दे, मतदाताओं ने अधिकतर मौकों पर रामविलास पासवान को ही समर्थन दिया है। सारण से लालू यादव चार बार चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं।

अरविंद केजरीवाल का पीएम ऑफिस पर तगड़ा अटैक

- बोले-मेरी जेल की लाइव वीडियो देखते थे अधिकारी, श्री राम तीर्थ में टेका माथा

अमृतसर (एजेंसी)। दिल्ली में जेल से छूटने के बाद पंजाब दौरे पर आए अरविंद केजरीवाल ने केंद्र में प्रधानमंत्री कार्यालय पर आरोप लगा दिए हैं। उन्होंने कहा कि तिहाड़ जेल में उन पर कैमरे नजर रखते थे। 13 अधिकारी 24 घंटे मोनिटर कर रहे थे। इनमें से एक लाइव फीड प्रधानमंत्री कार्यालय में जा रही थी।

जहां दो टीवी लगे थे। मुझे तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। केजरीवाल ने अमृतसर में संबोधन करते हुए आरोप लगाया और कहा- केंद्र ने जेल में भी मुझे तोड़ने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। जेल मैन्युअल में लिखा गया है कि सुपरिटेंडेंट चाहे तो कमरे में मीटिंग करवा सकता है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने सीएम मान के साथ जाली के जरिए आम कैदी की तरह बैठक करवाई। जेल में मेरी इन्सुलिन बंद कर दिया। कई दिनों तक अगर शुगर ज्यादा रहे तो व्यक्ति का किडनी लीवर खराब हो जाता है। मुझे नहीं पता इनका मकसद क्या था लेकिन इतिहास गवाह है कि बड़े बड़े राजाओं ने अपने विपक्ष को जेल में डाल नुकसान पहुंचाया है। केजरीवाल ने कहा कि 2 तारीख को उन्हें सरेंडर करना है। 4 तारीख को परिणाम हैं। वे जेल में अपने सैल से टीवी पर परिणाम देखेंगे।

होर्डिंग गिरने के कारणों का पता लगाएगा टेक्निकल इंस्टीट्यूट

7 दिन में बीएमसी को रिपोर्ट सौंपेगा; बिलबोर्ड कंपनी का मालिक उदयपुर से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के घाटकोपर में 13 मई को होर्डिंग गिरने के कारणों का पता लगाने की जिम्मेदारी मुंबई के वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट को दी गई है। यह टेक्निकल इंस्टीट्यूट 7 दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगा।

इसकी जानकारी गुरुवार को बृहनमुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने दी है। 13 मई की शाम धूलभरी आंधी चलने और बेमौसम बरसात के बाद पेट्रोल पंप के पास लगा 120 फीट * 120 फीट का ये होर्डिंग गिर गया था। इसके नीचे दबने से 16 लोगों की मौत हुई, जबकि 75 घायल हैं।

हादसे के अगले दिन बीएमसी के एक्सपर्ट पेट्रोल पंप पहुंचे और होर्डिंग की लोकेशन का जायजा लिया, मिट्टी और होर्डिंग के फाउंडेशन को बनाने में लगे मटेरियल के नमूने इकट्ठा किए। वहीं, मुंबई पुलिस ने बिलबोर्ड लगाने वाली कंपनी के मालिक भावेश भिड़े को गुरुवार 16 मई को उदयपुर (राजस्थान) से गिरफ्तार कर लिया।

सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक पहली बार

- मेट्रो का ट्रायल, 60 किमी की स्पीड से पूरे स्ट्रक्चर की टेस्टिंग

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो का एक बार फिर से ट्रायल रन हुआ। इस दौरान मेट्रो की स्पीड 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक रखी गई। इस स्पीड पर पूरे मेट्रो के स्ट्रक्चर का एक तरह से परीक्षण कर लिया गया। गुरुवार को हुआ मेट्रो का ट्रायल सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक किया गया। मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक इस तरह के ट्रायल आगे भी चलते रहेंगे। मेट्रो के अब तक हुए ट्रायल रन 25 से 30 किलोमीटर की स्पीड पर ही हुए हैं। प्रोजेक्ट पूरा होने पर मेट्रो इसी स्पीड पर दौड़ेगी। कुछ दिनों पहले भी मेट्रो का ट्रायल रन हुआ था। एमपी मेट्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर सीबी चक्रवर्ती ने कहा कि गुरुवार का ट्रायल पहली बार 60 किलोमीटर की स्पीड से हुआ।

मेट्रो स्टेशनों पर दुकानों, फूड प्लाजा की भी प्लानिंग

इस समय मेट्रो कॉरपोरेशन भोपाल में 6.22 किलोमीटर लंबे प्रायोरिटी कॉरिडोर पर काम कर रहा है। यह सुभाष नगर से लेकर एम्स तक फैला हुआ है। सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी मॉल के सामने, आर के एमपी और एमपी नगर के मेट्रो स्टेशन लगभग 90 प्रतिशत पूरे हो चुके हैं। डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स के स्टेशनों पर 60 से 70 प्रतिशत कम हो चुका है। मेट्रो स्टेशनों पर फूड प्लाजा सहित अन्य दुकायों की योजना बनाई जा रही है ताकि मेट्रो में सफर करने वालों को अतिरिक्त सुविधाएं मिल सकें।

चड्डी-बनियान गिरोह ने सीए ऑफिस में की चोरी

- दस हजार कैश और चांदी के सिक्के ले गए बदमाश, नहीं दर्ज हुई एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बागसेवनिया इलाके में स्थित विद्या नगर में रहने वाले सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) के ऑफिस का ताला तोड़कर चड्डी बनियान गिरोह के चार सदस्यों ने दस हजार की नकदी और चांदी के आधा दर्जन सिक्के चोरी कर लिए। हालांकि फरियादी ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने से इनकार कर दिया है। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। हुलिया के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। प्रधान आरक्षक बीरबल के मुताबिक विनय शारदा (40) निवासी विद्या नगर कॉलोनी बागसेवनिया में रहते हैं। पेशे से सीए विनय ने घर के पड़ोस में ऑफिस बना रखा है। यहां उनके दस्तावेज और कुछ नकदी व सामान रखा रहता है। चोरों ने इसी ऑफिस के मेन गेट का ताला तोड़कर गुरुवार तड़के प्रवेश किया था। एक-एक कर चार बदमाश यहां दाखिल हुए। ऑफिस की बारीकी से तलाशी ली। आरोपी यहां एक ड्राज में रखी दस हजार की नकदी। 6 चांदी के सिक्के और सामान ले गए।

फरियादी ने शिकायती आवेदन दिया

प्रधान आरक्षक ने बताया कि फरियादी ने एफआईआर दर्ज कराने से इनकार कर दिया है। उनकी ओर से शिकायती आवेदन दिया गया है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जब्त किए हैं। इन फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

भोपाल में लोकसभा चुनाव की काउंटिंग का प्लान तैयार

- पुरानी जेल में 3 हजार कर्मचारी करेंगे वोटों की गिनती, अफसरों को काम बांटे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में लोकसभा चुनाव की काउंटिंग का प्लान तैयार हो गया है। 4 जून को पुरानी जेल में करीब 3 हजार अधिकारी-कर्मचारी वोटों की गिनती करेंगे। काउंटिंग के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए जाएंगे। 500 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात रहेंगे। वहीं, 2 एम्बुलेंस और 1 फायर ब्रिग्रेड पूरे समय मौजूद रहेंगी। बता दें कि 7 मई को भोपाल लोकसभा सीट के लिए मतदान हो चुका है। करीब 64 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले हैं। मतदान के बाद ईवीएम पुरानी जेल में बने स्ट्रॉन्ग रूम में सील कर दी गई, जो 4 जून की सुबह खुलेगी। काउंटिंग के लिए प्लान तैयार किया गया है। वहीं, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अफसरों को काम भी बांटे हैं।

इन्हें बांटा काम: ज्वाइंट कलेक्टर आदित्य जैन मतगणना दल और माइक्रो आब्जर्वर का पहला, दूसरा और तीसरा रेंडमाइजेशन कराएंगे। जिपं के अतिरिक्त सीईओ विनोद यादव काउंटिंग में लगे अधिकारी-कर्मचारियों की ट्रेनिंग प्रक्रिया पूरी कराएंगे। जिला सूचना अधिकारी ताजवर मुशर्रफ, सहायक जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बद्री प्रसाद, ई-गर्वनेंस मैनेजर विकास गुप्ता और लोकसेवा प्रबंधक प्रसून सोनी परिणाम का टेबुलेशन करेंगे।

सिटी म्यूजियम में दिखेगा भोपाल का इतिहास

मोती महल के एक विंग में बनेगा; दूसरे विंग में महाप्रतापी भोज संग्रहालय

भोपाल (नप्र)। भोपाल को प्रदेश का पहला सिटी म्यूजियम मिलने जा रहा है। ऐतिहासिक मोती महल के एक विंग में केंद्र सरकार से सिटी म्यूजियम के स्थापना की मंजूरी मिल गई है। दूसरे विंग में महाप्रतापी भोज संग्रहालय खोला जाएगा। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, प्रबंध संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ला ने बताया, यह संग्रहालय क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति की समृद्ध विरासत को आधुनिक तकनीक की मदद से प्रदर्शित करेगा। पर्यटक यहां भोपाल और आसपास के क्षेत्रों से पुरातात्विक खोजों, प्रागैतिहासिक शैल चित्रों, पत्थर के औजारों, प्राचीन मूर्तियों, मंदिर के अवशेषों और भोपाल नवाब काल की उत्कृष्ट कलां के संग्रह से अवगत होंगे। सभी आयु वर्ग के लिए एक आकर्षक और जानकारीपूर्ण अनुभव बनाने के लिए ऑडियो-विजुअल गाइड, क्यूआर कोड स्कैनर जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। भोपाल में स्थित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय (ट्राइबल म्यूजियम) में प्रदेश की सात प्रमुख जनजातियों क्रमशः गोंड, भील, बैगा, कोरकू, भारिया, सहरिया और कोल के सात आवास बनाए गए हैं।

कुदसिया बेगम ने कराया था निर्माण

बता दें कि भोपाल की पहली महिला शासक कुदसिया बेगम (1819-37) की बेटी, सिकंदर

बेगम (1844-68) ने मोती महल का निर्माण कराया था। प्रमुख सचिव शुक्ला ने बताया, भोपाल के महाप्रतापी शासक राजा भोज की जीवनी, महानता, पराक्रम, शिक्षा एव जनकल्याण के क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों से लोगों को अवगत कराने हेतु एक अन्य संग्रहालय तैयार किया जाएगा। मोती महल के दूसरे विंग में मध्यभारत के महान योद्धा और परमार शासक राजा भोज के जीवन पर आधारित म्यूजियम बनना प्रस्तावित है। जिसका नाम महाप्रतापी भोज संग्रहालय होगा। यहां राजा भोज से संबंधित वस्तुएं प्रदर्शित होंगी।

जनजातीय समाज के सात नए आवास तैयार: जनजातीय समुदाय की जीवन शैली को समझने और उसे करीब से देखने के लिए भोपाल में स्थित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय (ट्राइबल म्यूजियम) में प्रदेश की सात प्रमुख जनजातियों क्रमशः गोंड, भील, बैगा, कोरकू, भारिया, सहरिया और कोल के सात आवास बनाए गए हैं। इन आवासों में जनजातियों के परिवार तीन से छह महीने तक रहेंगे। बाद में रोटेशन के आधार पर दूसरे परिवार इन आवासों में रहने के लिए आते रहेंगे। इस उपक्रम से शहरी समाज व युवाओं को प्रदेश के जनजाति समाज को जानने समझने का मौका मिलेगा। इसके साथ-साथ वे वास्तविक मध्यप्रदेश को उनकी असल बसाहटों में रहते हुए देख सकेंगे। इन आवासों में जनजातीय समुदायों के व्यंजन और उनकी कला को देखने का अवसर भी मिलेगा।

रसोई भी विशेष रूप से देखने को मिलेगी

जनजातीय समुदाय ने अपनी विशिष्ट जीवन शैली के मुताबिक इन आवासों को बनाया और उसका वास्तुशिल्प विकसित किया है। इन आवासों को बनाने का जिम्मा उन्हें ही सौंपा गया। बांस की टाट पर मिट्टी लीपकर बनाई दीवार, घर के बाहर बड़ा देव की स्थापना और घर में मिट्टी और पत्थर की चक्की। मप्र की जनजातियों का यही अंदाज, उनकी संस्कृति, रहन-सहन, पहनावा, खान-पान जल्द ही मप्र जनजातीय संग्रहालय में देखने को मिलेगा। इन घरों में अनाज रखने की कोठी, खाट, रोज उपयोग में आने वाली सामग्री और रसोई विशेष रूप से देखने को मिलेगी।

भोपाल में 88,500 में एक किलो चांदी

पहली बार चांदी के इतने रेट कारोबार में 30 प्रतिशत गिरावट

भोपाल (नप्र)। चांदी ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चांदी की चमक तेज हुई है। सराफा एसोसिएशन के मुताबिक, 1 किलो चांदी के रेट 88 हजार 500 रुपए पर पहुंच गए हैं। डेढ़ महीने में 11,700 रुपए बढ़े हैं। उधर, सोना भी तेवर दिखा रहा है। 24 कैरेट 10 ग्राम सोना 75,750 रुपए में मिल रहा है। इस कारण भोपाल में सराफा कारोबार में 30 प्रतिशत तक गिरावट आई है। भोपाल सराफा महासंघ के प्रवक्ता नवनीत कुमार अग्रवाल बताते हैं, गुरुवार को भोपाल में चांदी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। शुक्रवार को भी रेट में बढ़ोतरी होने की संभावना है। ऐसे ही हाल सोने के भी है। दूसरी बार कीमत 75,750 रुपए हुई है।

कम खरीदार पहुंच रहे, व्यापार में गिरावट: भोपाल में 1 हजार से अधिक सोना-चांदी की दुकानें हैं। पुराने शहर में सराफा बाजार है, जबकि न्यू मार्केट, 10 नंबर मार्केट, कोलार, होशंगाबाद रोड, बैरागढ़ समेत पूरे शहर में दुकानें हैं। मार्च-अप्रैल में विवाह मुहूर्त होने से बाजार में अच्छी ग्राहकी थी, लेकिन अभी शादियों का दौर थमा हुआ है। इस कारण ग्राहकी कम है। खासकर मध्यमवर्गीय लोगों ने बाजार से दूरी बनाई है। गेहूं-चने की फसल कटने के बाद किसानों की भीड़ जरूर है। ओवरऑल ग्राहकी में 30 प्रतिशत की कमी आई है। जून में ग्राहकी फिर से जोर पकड़ेगी।

दोनों धातुओं में और बढ़ोतरी होगी: व्यापारी अग्रवाल बताते हैं कि बाजार में मार्च से ही तेजी बनी हुई है। इस कारण सोना-चांदी के रेट में बढ़ोतरी हुई है। 1 मार्च को चांदी के रेट 73 हजार 500 रुपए और 1 अप्रैल को 76 हजार 800 रुपए प्रतिकिलो थे, जो 16 मई को 88 हजार 500 रुपए पहुंच गए। इस तरह डेढ़ महीने में 11 हजार 700 रुपए बढ़े हैं। वहीं, सोने के रेट 1 मार्च को 64 हजार 700 रुपए प्रति 10 ग्राम थे, जो 16 मई को 75 हजार 750 रुपए पहुंच गए। इस तरह डेढ़ महीने में 4700 रुपए तक बढ़े हैं।

आगे भी बढ़ सकते हैं सोने-चांदी के रेट: प्रवक्ता अग्रवाल ने बताया कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर सोने के रेट बढ़े हैं। जिसका असर भोपाल के बाजार में भी पड़ रहा है। दूसरी ओर, चांदी का इस्तेमाल उद्योगों में ज्यादा हो रहा है। हर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइज में चांदी का इस्तेमाल हो रहा है। इसलिए भी चांदी के भाव बढ़ रहे हैं। अगले एक साल में सोना के 80 हजार से 85 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

भोपाल में कार में बैठकर सट्टा खेलते चार गिरफ्तार

95 हजार की नकदी सहित 7 मोबाइल और कार जब्त

भोपाल (नप्र)। भोपाल की क्राइम ब्रांच ने मंगलवारा में कार में क्रिकेट मैच पर सट्टा खेल रहे चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लैपटॉप, 7 मोबाइल, 95 हजार की नकदी और स्विफ्ट कार जब्त कर ली गई है। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक होटल लक्ष्मी विलास के सामने पटेल नगर थाना मंगलवारा में कुछ लोग सिल्वर रंग की स्विफ्ट कार में बैठकर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेल रहे हैं। सूचना के बाद टीम होटल लक्ष्मी विलास के सामने पटेल नगर पहुंची। जहां कार खड़ी दिखी जिसमें चार लड़के मोबाइल, लैपटॉप पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेल रहे थे। आरोपियों की पहचान बादल जैन उर्फ मोंटू पिता अरविंद कुमार जैन (31) निवासी 72 जगमोहन तिवारी मार्ग लक्ष्मीपुरा वार्ड सागर थाना मोती नगर जिला सागर का होना बताया। ड्राइवर सीट पर बैठे लड़के ने अपना नाम मोहित यादव पिता तिलक यादव (22) साल, पवननाथ पिता प्रेमनाथ (24), अनमोल राठौर पिता नंद किशोर राठौर (27) तीनों निवासी मंगलवारा के रूप में की गई है।

मोबाइल में भी मिली सट्टा आईडी

आरोपियों के मोबाइल की तलाशी लेने पर जिसमें ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा आईडी लिंक आईडी खुली मिली। मोबाइल में मिले ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा आईडी के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपियों ने आईडी पर रुपयों-पैसों का दांव लगाकर सट्टा खेलना बताया। जिसके संबंध में दस्तावेज चाहे गए जो उनके द्वारा नहीं होना बताया तथा कार के संबंध में पूछताछ करने पर बादल जैन ने कार स्वयं की होना बताया।

धारा 4क सट्टा अधिनियम के तहत केस दर्ज

मामले में धारा 4क सट्टा अधिनियम के तहत दण्डनीय पाया जाने से आरोपीगण के पास से ऑनलाइन सट्टा में प्रयुक्त 7 मोबाइल तथा नकदी 9500 रुपए व स्विफ्ट डिजायर कार जब्त कर तथा के विरुद्ध असल अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

दीवार गिरने से 2 बच्चियों की मौत

मलबे में दबा मिला 10 साल का बच्चा; भिंड में भंडारे में जा रहे थे सभी

भिंड (नप्र)। भिंड जिले में दीवार गिरने से 5 और 6 साल की बच्चियों की मौत हो गई। 10 साल के बच्चे को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है। घटना गुरुवार रात जिले के मौ थाना क्षेत्र के सिमरिया गांव की है। सिमरिया गांव में भंडारा चल रहा था। शाम 7.30 बजे इमरान की बेटी अनीफिया (5), लालसिंह परिहार की बेटी निकिता (6) और रविंद्र मिर्धा का बेटा रोहित (10) भंडारे में जा रहे थे। रास्ते में इशाक खान के कच्चे घर की दीवार भरभराकर बच्चों पर गिर गई। गांव के लोगों ने बच्चों को मलबे से बाहर निकाला, लेकिन दोनों बच्चियों की मौत हो चुकी थी। रोहित को स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद ग्वालियर रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर मौ थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। रात में ही दोनों बच्चियों के शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिए गए।

आर्थिक सहायता के लिए रिपोर्ट तैयार

मौ की नायब तहसीलदार माला शर्मा ने बताया कि कच्ची दीवार गिरने से बच्चियों की मौत हुई है। घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया है। आर्थिक सहायता के लिए रिपोर्ट आगे भेजी जा रही है।

डंपर ने तीन बच्चियों को कुचला, दो की मौत

बड़वानी में कपड़े सिलवाकर घर लौट रही थीं; नाराज लोगों ने लगाया जाम

बड़वानी (नप्र)। बड़वानी में तेज रफ्तार डंपर ने तीन बच्चियों को कुचल दिया। इनमें दो की मौत हो गई, वहीं एक लड़की गंभीर रूप से घायल है। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने पाटी-बड़वानी मार्ग पर जाम लगा दिया है। साथ ही डंपर को घेर लिया है। घटना अंजराड़ा में करीब 4 बजे की है। तीनों लड़कियां कपड़े सिलवाकर पैदल घर लौट रही थी। तभी डंपर ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। इसमें पूजा पिता नासरिया (19) और गाली लालसिंह (14) की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलने पर बड़वानी एसडीओपी, पाटी थाना प्रभारी समेत पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।

एमपी के 13 शहरों में टेम्प्रेचर 42 डिग्री पार

आज आधे प्रदेश में रहेगी तेज गर्मी; बाकी में आंधी के साथ बारिश का अनुमान

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में एक सप्ताह से एक्टिव आंधी, बारिश और ओले गिरने का सिस्टम कमजोर हो रहा है। गुरुवार को कुछ जिलों में ही मौसम बदला रहा। बाकी में तेज गर्मी रही। ग्वालियर सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां तापमान 43.7 डिग्री दर्ज किया गया। छतरपुर के नौगांव में तापमान 43 डिग्री पहुंच गया, जबकि 11 शहरों में 42 डिग्री के पार रहा। प्रदेश के उत्तरी हिस्से में गर्म हवाओं का असर देखने को मिला। शुक्रवार को प्रदेश के आधे हिस्से में तेज गर्मी रहेगी, जबकि आधे में बारिश और आंधी का असर रह सकता है। भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अभी भी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी है। शुक्रवार को भी इसका असर देखने को मिलेगा, इसलिए छिंदवाड़ा, खंडवा समेत 12 जिलों में हल्की बारिश और आंधी चलेगी। वहीं, ग्वालियर-चंबल, भोपाल, इंदौर संभाग में कहीं-कहीं तेज गर्मी का असर भी रहेगा। शनिवार को सिस्टम गुजर जाएगा। इससे ग्वालियर-चंबल के लिए हीट वेव, यानी गर्म हवाओं का अलर्ट जारी किया है।

कहीं तेज गर्मी, कहीं बदला रहा मौसम: इससे पहले, गुरुवार को

कहीं तेज गर्मी रही तो कहीं मौसम बदला रहा। बैतूल, जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, मंडला, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, रायसेन, इंदौर, धार, बड़वानी, खरगोन, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, नरसिंहपुर, बालाघाट और डिंडोरी जिलों में बादल रहे। कुछ जगहों पर बौछारें भी गिरीं। दूसरी ओर, ग्वालियर सबसे गर्म रहा। यहां टेम्प्रेचर 43.7 डिग्री तक पहुंच गया। यहां तापमान में 1.4 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिली। छतरपुर जिले के नौगांव में 43 डिग्री रहा। इसी तरह रतलाम, सतना, सीधी, शिवपुरी, खजुराहो, दमोह, टीकमगढ़, खंडवा और गुना में पारा 42 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे गर्म रहा। भोपाल में 40.7 डिग्री, इंदौर में 39.8 डिग्री, जबलपुर में 39.7 डिग्री और उज्जैन में पारा 41.4 डिग्री दर्ज किया गया।

आगे ऐसा रहेगा मौसम

18 मई- ग्वालियर, मुरैना, भिंड और दतिया में हीट वेव चल सकती है।

19 मई- ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर और सागर में हीट वेव चलने का अलर्ट है।

एक और सिस्टम एक्टिव हो रहा: मौसम विभाग के अनुसार- उत्तर भारत में एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसका असर 2-3 दिन बाद यानी, 20 मई से प्रदेश के कुछ हिस्सों में देखने को मिल सकता है।

संपादकीय

स्वाति प्रकरण– मुश्किल में आप

आप नेता, सांसद और दिल्ली राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट का मामला उजागर होने के बाद देश शायद सबसे बड़बोली पार्टी और उसके नेता मुश्किल में आ गए हैं। पार्टी के सामने संकट यह है कि जिस मौके पर यह सब हुआ है, वह दिल्ली और पंजाब राज्य में लोकसभा चुनाव प्रचार का महत्वपूर्ण समय है। और तो पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल से जमानत पर छूटने से आप को जो राजनीतिक लाभ मिलने लगा था, उस पर स्वाति प्रकरण ने पानी फेर दिया है। पार्टी जवाब देने की स्थिति में नहीं है। जबकि भाजपा के भाग से छींका टूटा है और उसने इसे आप में महिलाओं पर अत्याचार से जोड़ दिया है। स्वाति मालीवाल की रिपोर्ट के बाद पुलिस मारपीट के आरोपी विभव कुमार को तलाश रही है। इस पूरे विवाद के घेरे में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी हैं, जिनकी मौजूदगी में और उन्हीं के घर पर यह सब हुआ, लेकिन सब कुछ जानकर भी उन्होंने चुप्पी साध ली है। क्योंकि आरोपी विभव कुमार उनके पीए और बेहद खास बताए जाते हैं। संदेश यही जा रहा है कि केजरीवाल विभव को बचा रहे हैं। जो घटनाक्रम सामने आया है, वह सचमुच हैरान करने वाला है। घटना दो दिन पुरानी है। यह मामला मीडिया में उछला था, लेकिन तब स्वाति मालीवाल ने किसी दबाव के चलते पूरे प्रकरण पर चुप्पी साध ली थी। बताया जाता है कि वो पहले थाने गई भी थीं, कुछ ही देर में रिपोर्ट लिखवाए बगैर वापस आ गई। जब मारपीट का मामला सार्वजनिक हो गया तो स्वाति मालीवाल ने थाने में जाकर रिपोर्ट लिखवाई। पूरे घटनाक्रम से आहत स्वाति ने एक्स पर लिखा कि मेरे साथ जो हुआ वो बहुत बुरा था। मेरे साथ हुई घटना पर मैंने पुलिस को अपना स्टेटमेंट दिया है। मुझे आशा है कि उचित कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि पिछले दिन मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं। जिन लोगों ने प्रार्थना की उनका धन्यवाद करती हूँ। जिन लोगों ने मेरा चरित्र हनन करने की कोशिश की, ये बोला कि दूसरी पार्टी के इशारे पर कर रही है, भगवान उन्हें भी खुश रखे। देश में अहम चुनाव चल रहा है, स्वाति मालीवाल जरूरी नहीं है, देश के मुद्दे जरूरी हैं। अब एक वीडियो भी सामने आ गया है, जिसके मारपीट का होने का दावा किया गया है। पुलिस ने स्वाति का मेडिकल भी कराया है, जिसमें उनके साथ हिंसा होने की बात की पुष्टि होती है। यहां सवाल यह है कि स्वाति के साथ यह मारपीट क्यों हुई थी? बताया जाता है कि स्वाति केजरीवाल से मिलने उनके घर गई थी। फिर ऐसा क्या हुआ कि स्वाति और केजरीवाल के पीए विभव कुमार के बीच ऐसा क्या हुआ कि बात हाथापाई तक जा पहुंची? जब ये सब हुआ था, तब केजरीवाल भी घर में ही मौजूद थे। उन्होंने बीच बचाव क्यों नहीं किया? उन्होंने विभव को भी कुछ नहीं किया। जब पुलिस रिपोर्ट हुई तो विभव फरार हो गए। इसका अर्थ यही है कि दाल में कुछ काला तो है। सच क्या है, यह जल्द सामने आएगा, लेकिन इस घटना ने आप की छवि पर दाग तो लगाया है। मणिपुर में महिलाओ के साथ बलात्कार और हिंसा का मामला जोर शोर से उठाकर पीएम मोदी को घेरने वाली आप इस मुद्दे पर बगले झांक रही है। केजरीवाल रक्षात्मक मुद्रा में हैं। सवाल उठ रहा है कि जब आप में पार्टी की नेताओं की इज्जत ही सुरक्षित नहीं है तो बाकी महिलाओं की अस्मिता की रक्षा की बात करने का उसे क्या नैतिक हक है?

अबकी बार अल्पमत सरकार?

नजरिया

रमेश कुमार 'रिपु'

लेखक पत्रकार हैं।

विपक्ष के दावे का सच चार जून को पता चलेगा। लेकिन इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि हर राज्यों के क्षत्रपों के खिलाफ बीजेपी का कार्यकर्ता ,पदाधिकारी और उसका कैडर उस तरह खड़ा नहीं दिख रहा,जिस तरह वो 2014 और 2019 में खड़ा था। जाहिर सी बात है कि जिन क्षत्रपों के दम पर बीजेपी 2019 में 303 सीट पाई थीं। और अपने सहयोगियों के साथ मिलाकर 352 सीटें पाई थीं। इस बार का चुनाव मोदी बनाम जनता का हो जाने की वजह से मोदी के पक्ष में वो लहर कहीं नहीं दिखी। सन् 2019 में चौथे चरण के चुनाव में बीजेपी 96 में से 42 सीट जीती थी। 11 सीट इंडिया गठबंधन के खाते में गयी थी। वहीं 35 ऐसी सीटें थी,जो किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं थे। 2019 के चुनाव जैसा 2024 का चुनाव नहीं है। तब बीजेपी 379 सीट में 206 और एनडीए को 234 सीट मिली थी। कांग्रेस को 43,यूपीए को 84 अन्य के खाते में 61 सीट आई थीं।

विपक्षी खेमें में जश्न है। सभी क्षेत्रीय पार्टियों के क्षत्रप दावा करने लगे हैं, कि बीजेपी को बहुमत नहीं मिल रहा है। जैसा कि राहुल गांधी कह रहे हैं,लिख कर ले लो,चार जून को मोदी प्रधान मंत्री नहीं बनने वाले। वो इस्तीफा देंगे। बीजेपी 180 सीट से ज्यादा नहीं पाएगी।ममता बनर्जी का दावा कर रही हैं कि इंडिया गठबंधन को 295 से 315 सीट मिल रही है। वहीं अखिलेश का कहना है,बीजेपी 140 सीट पर सिमट जाएगी। अमित शाह अभी भी कह रहे हैं,चार सौ के पार बीजेपी जा रही है। चार चरणों के मतदान के बाद इंडिया गठबंधन आत्मविश्वास से लबलब हो गया। सबके दावे दमदार हैं। किसकी जीत और किसकी हार होगी, 4 जून को पता चलेगा। लेकिन चार चरणों के चुनाव की हवा बता रही है, कि सभी राज्यों में बीजेपी को नुकसान हो रहा है। बावजूद इसके बीजेपी बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी।

विपक्ष के दावे का सच चार जून को पता चलेगा। लेकिन इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि हर राज्यों के क्षत्रपों के खिलाफ बीजेपी का कार्यकर्ता, पदाधिकारी और उसका कैडर उस तरह खड़ा नहीं दिख रहा,जिस तरह वो 2014 और 2019 में खड़ा था। जाहिर सी बात है कि जिन क्षत्रपों के दम पर बीजेपी 2019 में 303 सीट पाई थी। और अपने सहयोगियों के साथ मिलाकर 352 सीटें पाई थी। इस बार का चुनाव मोदी बनाम जनता का हो जाने की वजह से मोदी के पक्ष में वो लहर कहीं नहीं दिखी। सन् 2019 में चौथे चरण के चुनाव में बीजेपी 96 में से 42 सीट जीती थी। 11 सीट इंडिया गठबंधन के खाते में गयी थी। वहीं 35 ऐसी सीटें थी,जो किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं थे। 2019 के चुनाव जैसा 2024 का चुनाव नहीं है। तब बीजेपी 379 सीट में 206 और एनडीए को 234 सीट मिली थी। कांग्रेस को 43,यूपीए को 84 अन्य के खाते में 61 सीट आई थी।

कांग्रेस का डर दिखाती रही - बीजेपी यह मानकर चल रही थी,कि 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन एनडीए से बहुत दूर रहेगा। जबकि यू.पी.,बिहार, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़ और झारखंड हिन्दी बेल्ट वाले राज्यों में भी बीजेपी को भारी नुकसान हो रहा है। यही वजह है कि छोटे-छोटे शहर में मोदी रोड शो कर रहे हैं। जाहिर सी बात है कि उनमें हताशा है। चुनाव का मुकाबला करीबी नहीं रहा। बल्कि बहुत अंतर से बीजेपी के सत्ता से बाहर होने का अंदेशा बढ़ गया है। इसका असर शेयर बाजार में भी पड़ा है। लगातार गिर रहा है। मोदी दस साल से देश को कांग्रेस से डराते आ रहे हैं। जबकि सत्ता में बेजीपी है। इस चुनाव में भी जनता को अंधेरे में रखने का काम मोदी ने किया। जनता से झूठ बोले। कांग्रेस के घोंषणा पत्र में जो बात नहीं थी, उसे जनता के बीच जाकर हिन्दू-मुस्लिम की राजनीति कर हिन्दुओं को डराने की कोशिश की। वोटों का धुव्रीकरण करने का प्रयास किया। कांग्रेस सत्ता में आई तो महिलाओं के मंगल सूत्र छीन कर मुस्लिमो को दे देगी। कांग्रेस के घोंषणा पत्र में मुस्लिम लीग की छाया है। कांग्रेस सत्ता में आई तो मुस्लिमों का आरक्षण बढ़ा देगी। लेकिन मतदाता न डरा और न ही बदला।

राम वाले अच्छे दिन भी लाते - महाराष्ट्र में अबकी बार बीजेपी के प्रति लहर 2019 जैसी नहीं है। राम को जो लाए है,उन्हें ही लाना है। ऐसे नारों के जवाब में वोटर कह रहा है,जो राम को लाए हैं,वो अच्छे दिन भी लाते। दो करोड़ नौकरी भी देते। महंगाई कम करते। बेरोजगारी दूर करते। किसानों की आय दोगुना करते। गैस सिलेंडर चार सौ रुपए में देते। सिर्फ राम लाने से काम नहीं चलेगा। मंदिर बनने से पहले भी राम सबके मन में थे,आज भी हैं। दरअसल ,देश के वोटर की मानसिकता बदल गयी है। वो क्या सोचने लगा है औरंगाबाद लोकसभा सीट से समझा जा सकता है। औरंगाबाद कभी मराठा आंदोलन का केन्द्र था। 1988 में मराठा एंटी मुस्लिम में तब्दील हो गया था। औरंगाबाद मुस्लिम बाहुल सीट है। यहां एआईएमआईएम की पार्टी के इम्तियाज जलील को जनता वोट करती आई है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। उद्धव ठाकरे की पार्टी से चुनाव लड़ रहे चन्द्रकांत खैरे को मुस्लिमों ने वोट किया। उनका कहना है,इम्तियाज जलील हमारी जाति बिरादरी के हैं। लेकिन इस बार उद्धव ठाकरे को वोट करेंगे तो राहुल को जाएगा। उनका हाथ मजबूत होगा। एकनाथ शिंदे ने संदीपन भुमरे को उतारा है। औरंगाबाद सीट को अविभाजित शिवसेना ने 1989 के बाद से छह बार जीता है। एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। पूरे महाराष्ट्र की 48 सीट में 13 सीट पर उद्धव ठाकरे के उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। यह चुनाव बतायेगा,असली शिवसेना कौन है। चुनाव की हवा बता रही है,उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र में किंग मेकर हैं। जिस मोदी ने उद्धव ठाकरे की कुर्सी छीन ली। पार्टी का सिम्बल छीन लिया। उसके प्रति जनता में सैम्पैथी बेहद ज्यादा है। शरद पवार,उद्धव ठाकरे और राहुल गांधी की जोड़ी मोदी पर भारी पड़ रही है। इस बार तीनों की जोड़ी की वजह से बीजेपी को 48 में से 12-15 सीट ही मिलती दिख रही है। उसकी वजह यह है कि बीजेपी बंटी हुई है। पूरे महाराष्ट्र में दूसरी पार्टी से बीजेपी में आने वालों की वजह से बीजेपी का जमीनी कार्यकर्ता घर बैठ गया है। यह स्थिति हर राज्य की है। संघ और बीजेपी के पुराने लोग नाराज हैं। जमीनी कार्यकर्ता कह रहे हैं,दो आदमी बीजेपी को नहीं चलाएंगे। बाहरी पार्टी से आए उम्मीदवारों को लेकर पार्टी में भारी असंतोष है। इन्ही वजहों से किसी भी राज्य में बीजेपी 2019 में जितनी सीट पाई थी, उतनी उसे नहीं मिल रही है।

यू.पी.में बीजेपी पिछड़ रही - देश में सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश राजनीति में धुरी की भूमिका निभाता है। क्यों कि यहां लोकसभा की 80 सीटें हैं। अब तक 14 प्रधानमंत्री में से नौ इसी राज्य ने दिये। इस बार यूपी बदला हुआ है। यहां वोट का प्रतिशत सात फीसदी कम है। जबकि दो फीसदी कम मतदान होने पर सरकार बदल जाती है। यही ट्रेंड अगले तीन चरण के चुनाव में रहा तो बीजेपी की सीट 2019 से भी कम हो जाएगी। माना जा रहा है बीजेपी को अधिकतम 45- 48 सीट मिल रही है।

कहावत है,जिसने जीता यू.पी.उसने संभाला देश। इस बार हालात बीजेपी के पक्ष में नहीं। योगी की चल नहीं रही है। मिशन 75 का लक्ष्य करने अमितशाह ने राजा भैया को बुलाया। कौशाम्बी,जौनपुर और प्रतापगढ़ में ठाकुर राजा भैया की ही सुनते हैं। धनजंय सिह बीजेपी के लिए काम करने को तैयार हो गए हैं,मगर राजा भैया न्यूटल हो गए हैं। जाहिर है प्रतापगढ़ में बीजेपी ही हवा टाइट हो गयी है। यूपी में 41 सीट के चुनाव होने हैं। यूपी में दलित और मुसलमान बीजेपी के खिलाफ चला गया है। यू.पी. का दलित कह रहा है, संविधान को बचाना है। बाबा साहब अंबेडकर की इज्जत का सवाल है। बूथ से ऐसे लोगों को भगाया जा रहा है। छोटे दुकानादार,किसान,और युवा परेशान हैं। उन्हें लगता था,मोदी महंगाई कम कर देंगे, बेरोजगारी कम कर देंगे,पर ऐसा हुआ नहीं।

विपक्ष बिखरा नहीं - सन् 2019 की तरह विपक्ष बिखरा नहीं है। उन्नाव, कानपुर, अकबरपुर, सीतापुर, मथुरा, सम्भल, बरेली, सीकरी, आगरा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, बदायूं, एटा,आंवला, और हाथरस आदि ऐसे स्थान हैं,जहां मतदाताओं ने सत्ता बदलने का मन बना लिया है। राजनीति के ठेकेदारों के हाथ से यह चुनाव निकल गया। विधान सभा चुनाव में गाजीपुर की सात सीट में बीजेपी के पास एक भी नहीं। आजमगढ़ की दस सीट में भी यही हाल रहा। अयोध्या की चार सीट में दो सीट है बीजेपी के पास,बलिया की सात सीट में सिर्फ दो सीट बीजेपी जीती थी। ऐसे दर्जनों विधान सभा में बीजेपी की सीट है नहीं या फिर बहुत कम है। जाहिर सी बात है कि बीजेपी सीट लाएगी कहां से।

पश्चिम बंगाल में अमितशाह 42 में से 35 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। यहां ममता का एंटी वोट जो था,वो पिछली बार बीजेपी में गया। इस बार सीपीएम और कांग्रेस में जा रहा है। 2019 में बीजेपी को 18 सीट मिली थी,जो इस बार घटकर 15 होने की आशंका है। बिहार में चार फेस के चुनाव में जेडीयू की स्थिति ठीक नहीं है। अगड़ा बनाम पिछड़ा की यहां लड़ाई है। कुर्मी,यादव,मुस्लिम बीजेपी को वोट नहीं कर रह है। इसी से समझा जा सकता है कि नीतिश के दाये हाथ लल्लन सिंह चुनाव हार रहे हैं। मोदी का रथ बिहार में भी फंस गया है। नीतिश एक बार फिर पलटी मार सकते हैं। मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़ में इंडिया को चार सीटें मिलनें की संभावना है। दक्षिण में सिर्फ कर्नाटक में 10-12 सीट बीजेपी को मिल सकती है। बाकी अन्य राज्यों में संभावना नहीं है। दिल्ली और हरियाणा में 1-2 सीट से ज्यादा नहीं पा रही है। यानी विपक्ष की साझेदारी सियासी ताकत के आगे एनडीए अबकी कमजोर हो गया।

जनता में नाराजगी -एनडीए के प्रति वोटरों में नाराजगी है। वोटर मानता है,कि मोदी अमीर के समर्थक हैं। वे फिरकापरस्त और अल्पसंख्यक विरोधी हैं। वे दूसरों पर अपना रोब-दाब चलाते हैं। वे सामूहिक नेतृत्व में यकीन नहीं करते। वो जुमलेबाज हैं। वे किसान विरोधी हैं। वे बड़े मुद्दों पर खामोश रहते हैं। नोटबंदी करके मोदी ने छोटे धंधे चौपट कर दिये। काला धन नहीं आया। उनकी फैसले से रोजगार घटा और किसान परेशान हुए। चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी पर लगाम लगाने में मोदी असफल हुए। किसानों की खुदकुशी के साथ कृषि संकट,मोदी की नाकामियों की फेहरिस्त में सबसे आगे है।

पुनर्पाठ

आचार्य राममूर्ति

लेखक सर्वोदय दर्शन के सुप्रसिद्ध भाष्यकार रहे हैं।

नाम चाहे जो हों, राजनीति सबकी एक है

इन दिनों हम देश की सर्वोच्च पंचायत, संसद के चुनाव में लगे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि अपनी अपेक्षाओं के मुताबिक हमें कुछ–न–कुछ मिल ही जाएगा, लेकिन क्या कभी हमारी यह उम्मीद पूरी भी होती है? क्या आजादी के 77 साल बाद हम उस लक्ष्य का एक अंश भी पा सके हैं जिसे हमने, खुद अपने लिए तय किया था? इस मसले पर हमारे पूर्वज क्या सोचते थे? प्रस्तुत है, सर्वोदय विचारक स्व. आचार्य राममूर्ति का चार जनवरी 1974 को 'सप्रेस' से जारी यह चेतावनी भरा लेख।

इस वक्त (उत्तरप्रदेश में) चुनाव की धूम है। कुछ दिन बाद जनता अपने वोट से तय करेगी कि अगले पांच वर्ष उस पर कौन शासन करेगा। शासक बनने के लिए ही यह सारी दौड़धूप है। हैलिकॉप्टर से, जीप और साइकिल से, मोटर से और पैदल शहर-शहर, गांव-गांव, घर-घर के चक्कर लगाये जा रहे हैं, एक के बाद दूसरी योजना के शिलान्यास हो रहे हैं, वादों और आश्वासनों की झड़ी लगायी जा रही है। एक कहता है: 'चिन्ता मत करो, आने वाला कल सुनहरा होगा। हमें वोट दो।' दूसरा समझाता है: 'इनके भुलावे में मत पड़ो। वोट इन्हें नहीं, हमें दो, हम तुम्हारे सारे दुःख दूर करेंगे।'

इसी तरह की बातें पिछले सत्ताईस (77) वर्षों से सुनते आ रहे हैं। इन वर्षों में देश भर में कितनी ही सरकारें बनीं और टूटीं। सभी दलों की सरकारें बनीं, कभी मिलकर बनी, कभी अकेली। हम बारी-बारी अपना वोट देते रहे- कभी इस दल को, कभी उस दल को। लेकिन क्या हुआ? क्या हमारी कोई उम्मीद पूरी हुई? कोई समस्या हल हुई? सबको रोटी मिली? रोजगार मिला? हमारे बच्चों का भविष्य बना? सरकार की मुंहताजी घटी? देश की शक्ल बदली? और जो कुछ हुआ भी वह कितने लोगों के लिए हुआ?

कहा जाता है कि लोकतंत्र ऐसा ही होता है। इसमें नाम जनता का चलता है, लेकिन राज दल और दफ्तर का होता है। नारे लगते हैं समाजवाद के, लेकिन बढ़ता है सामंतवाद और पूंजीवाद। पिछले वर्षों में सरकार ने समाजवाद का नाम ले लेकर सब कुछ अपने हाथ में कर लिया और हम रोटी-कपड़े तक के लिये मुंहताज हो गये। विकास के नाम पर कारीगरों की कारीगरी गयी, छोटे किसान की कमर टूटी, युवक का भविष्य गया, हर गांव फूट, जातिवाद और दलबंदी का अखाडा बन गया। शोषण का बोलाबाला हुआ। पैसा परमेश्वर बना। अगर घी में उंगली पड़ी तो उनकी जो 'नेता' हुये, जो पिछलग्गू बने, जो अफसर बनकर कुर्सी पर बैठे।

देश की सब विधानसभाओं, विधान-परिषदों और संसद को मिलाकर लगभग पांच हजार नेता हैं, इन्हीं के दल हैं, इन्हीं की सरकारें हैं। सरकार के अपने एक करोड़ से अधिक अधिकारी-कर्मचारी हैं। जनता के टैक्स का बहुत बड़ा हिस्सा सरकार अपने इन कुटुबियों पर लगा रही है।

गांव से लेकर दिल्ली तक ये ही छाये हुये हैं। इन्हीं के पास प्रभुत्व और पूंजी है, प्रभाव और पहुंच है, पद और पद्वी है। क्या प्रशासन और व्यवस्था, क्या विकास, क्या रेल, पानी और बिजली, क्या बाजार-भाव और अखबार तथा क्या शिक्षा और न्याय, सब इन्हीं के हाथों में हैं। सब पर दलों की राजनीति हावी है। स्वराज्य का असली सुख ये और इनके लोग भोग रहे हैं।बाकी लोगों के लिए जिंदगी एक लंबी, अंधेरी रात है। क्यों ये लोग कोई ऐसा बुनियादी परिवर्तन चाहेंगे जिससे उनका प्रभुत्व घटे? वे जानते हैं कि हम लोग थोथे नारों के भुलावे में पड़ जाते हैं, इसलिये वे एक-से-एक मोहक नारे लगाते हैं। हम भी कभी इस दल को अपना मानते हैं, कभी उस दल को। इस भ्रम में पड़कर हम भूल जाते हैं कि दलों के नाम चाहे जो हों, राजनीति सबकी एक है। लालाजी एक हैं, दुकानें अलग-अलग हैं। हर दल सत्तावादी है। जनता-वादी कौन है? सत्ता बढ़ रही है और सत्ता से सम्पत्ति पल रही है। दोनों के गठबंधन का नाम राजनीति है। यह दलगत राजनीति परिवर्तन विरोधी है। राष्ट्र विरोधी है, लोकतंत्र विरोधी है।

सच बात तो यह है कि आज तक हमने जिसे लोकतंत्र समझा था, वह लोकतंत्र नहीं दलतंत्र है और जिसे समाजवाद माना था, वह शुद्ध सरकारवाद है। हमारी इस भूल के कारण हमारे ऊपर दोहरी मार पड़ी। लोकतंत्र के नाम पर हम अनेक दलों और झंड़ों में बंट गये, संगठित होकर हमने अपनी बुनियादी समस्याओं को हल करने की कोशिश नहीं की। गांव के लोग, शहर के लोग, विद्यार्थी, शिक्षक, मजदूर, सब एक-दूसरे के सामने मुक्का तानकर खड़े हो गये।

पूरा देश सत्ता के गृहयुद्ध में फंस गया। उधर सरकार लोक-कल्याण के नाम पर समाज को निगलती चली गयी। जनता जैसे कुछ रही ही नहीं। सरकार जो खिलाये, हम खायें, जो पढ़ाये, हम पढ़ें, जो कहे, हम करें- अब यही स्थिति हो गयी है। कहां है गांधी का ग्रामराज, कांग्रेस का पंचायती राज, लोहिया का चौखंभा राज या कम्युनिस्टों का किसान-मजदूर राज। कहने को सरकार अपनी है, देश अपना है, दल अपने हैं, लेकिन जनता? जनता पराई हो गयी है।

चुनाव दलों का असहाय जनता पर आक्रमण है जिसमें सब हथियार आक्रमण करने वालों के हाथ में हैं। उनके पास बेशुमार कालाधन, झूठ को सच बनाने वाले प्रचार के साधन और वोट छीन लेने वाले हथकंडे हैं। वे हमें निर्भय होकर, सोच-समझकर वोट भी नहीं देने देते। ऐसे भ्रष्ट चुनाव से शुद्ध लोकतंत्र कैसे कायम होगा? सवाल है कि कब तक हम इस तरह दीन और असहाय बने रहेंगे? क्या अब भी समय नहीं आया है कि हम इस दलतंत्र को छोड़ दें और सच्चे लोकतंत्र की तलाश करें? चुनाव सामने हैं। आप इसमें वोट दें और जिसे चाहें वोट दें, लेकिन लालच और डर तथा जाति और धर्म के भेदभाव से अलग रहकर वोट दें। यह सोचकर वोट दें कि देश दल से बड़ा है। अब हमें ऐसा लोकतंत्र बनाना है जो चुनाव के साथ आने वाला और चुनाव के ही साथ चला जाने वाला न हो, बल्कि जिसमें समाज अपनी इकाईयों में संगठित हो, जिसमें हर व्यक्ति हिस्सा ले सके, जिसमें सिर्फ इस बात का फैसला न हो कि हमारे ऊपर हुकूमत कौन करेगा, बल्कि यह तय हो कि हम अपने पड़ोसियों के साथ मिलकर आपसी जीवन के काम कैसे चलायेंगे।

सब मानते हैं कि आज का लोकतंत्र निकम्मा है। सभी चाहते हैं कि लोकतंत्र नया हो, लेकिन होगा तब, जब उसकी तलाश होगी। हम आप उसकी शुरूआत कर सकते हैं। नीचे की छोटी-इकाइयां संगठित और सक्रिय होंगी तो लोकशक्ति बनेगी और लोकशक्ति बनेगी तो नया लोकतंत्र बनेगा। नया समाजवाद आयेगा। लोकशक्ति नहीं तो कैसा लोकतंत्र और कैसा समाजवाद? (सप्रेस)।

सत्तर पार का नेता

जब व्यक्ति किसी भी नौकरी के काबिल न रहे। सरकारी या गैर सरकारी प्रतिष्ठान उसे सेवा करने योग्य न मानकर सेवा से निवृत्त कर दें। तब उसके सम्मुख स्वयं को जीवंत बनाए रखने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। ऐसी स्थिति में सेवानिवृत्त व्यक्ति क्या करे, यह बड़ा प्रश्न है, किन्तु ऐसे व्यक्ति को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। उसके लिए पुनः रोजगार व समृद्धि के अनेक विकल्प खुले हैं, बस सवाल गंभीरता से विकल्प चुनने का है। वह अपने जीवन के अनुभवों को संचित कर अपने से कम अनुभवी व्यक्तियों का नायक बन सकता है। वह राजनीति में अपना भाग्य आजमा

वक्रोक्ति

सुधाकर आशावादी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सकता है, क्योंकि यही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जिसमें सेवानिवृत्ति की कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं होती।चाहे पेट में आंत न हो या मुंह में दांत न हों, हाथ पैरों में कम्पन रहती हो या पैर कब्र में लटके हों, कोई बात नहीं। इस क्षेत्र में स्वास्थ्य परीक्षण की कोई अनिवार्यता नहीं है। बस अनिवार्यता यही है कि राजनीति में उसका कोई गॉडफादर हो, जो उसे अपने कन्धों का मजबूत सहारा दे सके। किसी राजनीतिक परिवार का पिछलग्गू हो तो उसके लिए सोने में सुहागा जैसी लाभकारी स्थिति हो सकती है। एक बार यदि वह किसी सदन का सदस्य बन गया, तो समझिए कि उसकी कुंडली का राजयोग ढलती उम्र में भी उगता सूरज बन जाता है।

वह नब्बे सौ वर्ष तक भी इस सुख को भोग सकता है। साठ या पैंसठ साल की उम्र इनकी राजनीतिक यात्रा का पहला पड़ाव होती है। इसके बाद उसका स्वर्णिम काल होता है, यदि सत्ता पक्ष में प्रभावी हुआ, तो मंत्री पद सुनिश्चित हो जाता है, यदि विपक्ष में प्रभावी हुआ, तो विभिन्न समितियों का सदस्य बन जाता है। वेतन भत्ते पाने और बढ़ाने में कोई किसी का विरोध नहीं करता, वहां सभी मिले सुर मेरा तुम्हारा तो सुर बनें हमारा का सामूहिक गान करते हैं। राजनीति है ही कुछ ऐसी। राजनेताओं के ठाठ बाट और चमक धमक देखकर स्कूल से बंक मारकर कक्षाओं से नदारद रहने वाले शैतान छात्र तो अपने जीवन का लक्ष्य ही राजनीति में प्रवेश को बना लेते हैं। चाहे नौवीं फेल हो या अंगूठा छाप, नेता बनने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता का कोई कॉलम भी नहीं भरना पड़ता। एक बार बस एक बार सत्ता का सुख प्राप्त कर लिया, तो समझिए कि पूरे परिवार की पौ बारह हो गई। न कोई सर्विस कंडीशन, न नई पेंशन का कोई झमेला। नेता है तो उसके सम्मुख आजीविका का कोई संकट ही नही रहता। न भविष्य की चिंता न महंगाई की टेंशन। बाजार में सामान खरीदने का कोई झंझट नही। सेवक और अनुयायी होते हैं ना, उसके मुँह से निकले अधूरे वाक्य की पूर्ति करने के लिए। नेता के परिवार का कोई भी सदस्य कोई फरमाइश करे और सेवक बने अनुयायी उसकी पूर्ति में जी जान से न जुटें ऐसा हो नही सकता। हाथी दांत जैसा चरित्र निभाना तो कोई उससे सीखे, सुख सुविधाएं अपने लिए कुछ और तथा जनता या कर्मचारियों के लिए कुछ और। कई बार विज्ञापनों में साठ साल के बुजुर्ग या साठ साल के युवा की तुलना करते हुए साठ पैंसठ साल के व्यक्ति को युवाओं से भी अधिक जोशीला दिखाया जाता है, फिर वही स्थिति सत्तर- बहत्तर साल के बुजुर्ग नेता की दिखाई देती है, जब वह स्फूर्ति से कभी सीमाओं पर सैनिकों के साथ कदम ताल करता है, कभी समुद्र की गहराई में उतरता है। उस समय उम्र का कोई प्रभाव शरीर पर प्रतीत नहीं होता। उम्र उस समय सिर्फ गिनती तक सिमट जाती है। केवल संवेदनाओं में जीवन खपा देने वाले साहित्यकार साठ पार का आदमी या चालीस पर की औरत जैसी कविताएं लिखकर खास उम्र के देह और चिंतन पर पड़ने वाले प्रभाव का मनोवैज्ञानिक चित्रण करते हैं, लेकिन किसी नेता की पदलिप्सा पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं लगाते, कि बरसों तक पारिवारिक सत्ता सुख भोगने वाले सतत्तर पार होने पर भी राजनेता को मिलने वाली सुविधाओं से मुंह क्यों नहीं मोड़ पाते।

पचहत्तर, अस्सी, पिचासी बरस की उम्र तक भी सक्रिय राजनीति से अपना मोहभंग क्यों नहीं कर पाते ? लगता यही है कि राजनीति में यौवन का एहसास ही सत्तर पार करने पर होता है और एक अदद राजनेता बढ़ती उम्र के साथ बुढ़ापे की जगह युवावस्था की ओर लौटने लगता है। लगता है कि नाहक ही सरकारी और गैर सरकारी नौकरियों में सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की जाती है। यदि नौकरीपेशा लोगों की भी नेताओं की तरह सेवानिवृत्ति की कोई आयु निर्धारित न हो, तब रोजगार रोजगार चिल्लाने वालों की क्या गति होगी, इसका अनुमान लगाना मुश्किल ही नही, नामुमकिन है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ.महेन्द्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं

आ का आकाश

आ से आम भी बनता है और आम आदमी भी।आम फल है और आम के आम गुठलियों के दाम एक मुहावरा जो एक ही समय में दोहरे लाभ की सूचना देता है। अब हर आमो खास इसके लिए उधार बैठा है।वह आम खाने से काम रखता है,पेड़ गिनने से नहीं और ज़्यादा हुआ तो पेड़ों की आमदनी का हिसाब रख लेगा भले ही किसी से आमने-सामने की नौबत आ जाये।यों वर्तमान व्यवस्था में आम आदमी को भी आम की तरह चूसा जा रहा है। आज उसकी आंखों में आंसू ही आंसू हैं और उन्हें पांछने का दम भरने वाले उसे आंख उठाकर भी नहीं देखते।ग़रीब इस लोकतंत्र में आंख उठाकर भी नहीं देख पाता और सभी दल उसे अपने दलदल में फंसाकर आंख का अंधा, गांठ का पूरा साबित करने पर तुले हैं।जहां कहीं वह आंख का कांटा साबित होता है वह उसकी आंख का काजल चुराकर उसकी आंख पर परदा डाल देते हैं।यों कहने को सभी दल कहते हैं कि आम आदमी उनकी आंख का तारा है किन्तु वक़्त बेवक़्त वही उससे आंखें चुराने की भरपूर कोशिश करते हैं।परिणाम यह होता है कि आम आदमी की आंखें आकाओं को देखने के लिए तरसती रहती हैं।कभी-कभी वह आवेश में आकर अपनी आंखें तरेरने लगता है।चूंकि उसकी आंखें इस व्यवस्था में कभी ठंडी नहीं हो पातीं इसलिए वह गाहे बगाहे आंखें नीली-पीली भी करने लगता है। ऐसे समय फिर कोई आम आदमी का नेता बनकर, आम आदमी का हमदर्द बनकर सामने आता है तो वह उसे अपनी आंखों पर बिठा लेता है।कहते हैं इतिहास अपने आप को दुहराता है तो फिर आम आदमी की आंखों में भी खून उतरने लगता है। लोकतंत्र के चलते चूंकि पक्षी-विपक्षी अपनी भूमिकायें बदलते रहते हैं इसलिए कभी कोई उसकी आंखां में समा जाता है और कभी कोई उसकी आंखों से उतर जाता है।किसी को आंखों से लगाकर वह रखता भी है तो वो भी अनायास उसकी आंखों में धूल झोंककर उसकी आंखां से ओझल हो जाता है। फलतः आम आदमी की आंखों में रात कटती है किन्तु सुबह उसके साथ आंख मिचौनी करती रहती है।

आकाश छूने की कोशिश में यों सभी दल आकाश पाताल एक करने से नहीं चूकते फिर भी आकाश पाताल का अन्तर उन्हें आकाश से बातें करने की अनुमति नहीं देता। फलतः आकाशगंगा में आकाश कुसुम बनने के उनके सभी प्रयत्न निर्मूल सिद्ध होते हैं।

आज के जमाने में हर आदमी आगे की सोचता है परन्तु वक़्त ज़रुरत आगे आने को कोई तैयार नहीं होता। सभी दूसरों को आगे करने की जुगत में लगे रहते हैं। यों स्वाभावतः हर आदमी (चाहे वह घर के भाई भतीजे क्यों न हों) दूसरों से आगे निकलने में लगा रहता है।ऐसे लोग सदैव अपने को आगे रखते हैं मगर ज्यादातर लोगों के आगे के कदम पीछे भी पड़ते हैं जिसका खामियाजा वह देर सबेर भोगते हैं। आजकल हर पहला आदमी दूसरे को आज्ञा देना चाहता है। हर तीसरा आदमी चौथे को आज़माना चाहता है। आजाद हुए भले ही कितने वर्ष क्यों न हो गये हों। आज भी ग्रामीण अंचल में राजवंश के परिजनों के पांव धोकर आचमन करने की आदत नहीं बदलीं इतना आज्ञाकारी होना भी लोकतंत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं है।अब अपनी भी सेहत देखनी चाहिए। किसी का आज्ञापत्र आटे का काम नहीं करता। फिर या तो ग़रीबी में आटा गीला होता है या फिर आटे दाल के भाव मालूम पड़ने लगते हैं। ऐसे समय न आड़ काम करती है और न कोई आडम्बर। आड़ी तिरछी रेखायें खींचने से कोई साक्षर नहीं बन जाता। आढ़त का काम भी हर किसी के वश का नहीं है। दस तरह की आड़ी तिरछी बातें करनी पड़ती हैं।

आजकल बेटे बहुओं के साथ रहना भी सपना बन गया है। आज घर के आंगन में किलकारी को तरस रहे बूढ़े मां बाप आधुनिक सभ्यता का अकेलापन भोगने को विवश हैं।अब आंतरिक सम्बन्ध भी अंतरिक्ष में ढूंढ़ने पड़ते हैं और इसमें भी आंधियां नित नये व्यवधान पैदा करती हैं।आंत में आंव की समस्या आंदोलित करती है और आंवला भी आंशिक रूप से कोई मदद नहीं कर पाता। आंसू रह रहकर उसकी आंखों से निकलते रहते हैं और वह आइन्दा किसी के चक्कर में न पड़ने की कसमें खाने लगता है। यह अलग बात है कि जब उसे आकंठ डुबो दिया जाता है तब वही उसके आकर्षण में घर से बाहर आकर उसी दल की आकारिकी को सुधारने में लग जाता है।समीक्षक यथासमय परिस्थितियों का आकलन करते हैं पर उनका आकलित अनुसंधान आकस्मिक परिस्थितियों के कारण पूर्ण आकार नहीं ले पाता। आज कोई भी आधी रोटी से संतुष्ट नहीं है। होना भी नहीं चाहिए। आधे कान सुनना भी आधा तीतर-आधा बटेर जैसा है। इसका कोई आधार नहीं होता और न ऐसी बातों को आधिकारिक माना जाता है। आधुनिकता ने आनंद के चरम तक पहुंचाया फिर भी भौतिकता वो आनंद नहीं देती जो आध्यात्म से मिलता है। आनंदी ही उसका रस जानता है जो कि अनिवर्चनीय है। आना जाना तो सृष्टि का क्रम है।आये दिन लगा रहता है किन्तु किसी का आ धमकना,आ पड़ना या किसी पर आ बनना कुछ अलग कहानी कहते हैं।इसमें कुछ आना कानी भी नहीं की जा सकती। अपनी मुसीबत आप ही आप सुलटानी पड़ती है।आपात काल में भी कोई भी कहीं किसी से आपत्ति नहीं कर पाता था। हां, आपबीती आपस में एक दूसरे से कही जा सकती है फिर भी आपे में रहना या आपा न खो देना इसकी अनिवार्य शर्त हैं।आपे से निकलना या आपे से बाहर होने में आपाधापी की संभावना बनी रहती है और यह बिल्कुल बैठे ठाले आफ़त मोल लेने जैसा है।इसी समय के लिए कहे गये मुहावरे अक्सर याद आते हैं।आफ़त का मारा, आफ़त का परकाला,आफ़त सिर पर लेना आदि। अब आफ़त से बचना कौन नहीं चाहता? आ आसुरी वृत्तियों की ओर न बढ़े, आस्तिकता का भाव उसकी आवारगी पर नियंत्रण रखते हुए उसे सद्बुद्धि प्रदान करे, आशा का आवरण उसे आशान्वित रखे, यही आव्हान आ के लिए आनंदमयी आह्लादकारी है। आ आगे देखे,आगे की सोचे,यही शुभ है।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर विशेष

संस्कृति और इतिहास का प्रमाणिक दस्तावेज है संग्रहालय

बाल मुकुंद ओझा

लेखक पत्रकार हैं।

प्राचीन सभ्यताओं से लेकर 21वीं सदी तक फैले 38,000 से अधिक कलाकृतियों के साथ लौवर संग्रहालय पेरिस मानव रचनात्मकता और कल्पना का खजाना है। वाशिंगटन, डीसी में स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय, शिक्षा और अनुसंधान परिसर है, जिसमें 19 संग्रहालय और गैलरी, राष्ट्रीय प्राणी उद्यान और नौ अनुसंधान सुविधाएं शामिल हैं। मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट, न्यूयॉर्क में प्राचीन मिस्र की कलाकृतियों से लेकर समकालीन चित्रों और मूर्तियों तक का प्रदर्शन है।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस हर साल 18 मई को मनाया जाता है। संग्रहालय या म्यूजियम एक ऐसा संस्थान है है जो समाज की सेवा और विकास के लिए जनसामान्य के लिए खोला जाता है। इसमें पृथ्वी, मानव और पर्यावरण की विरासतों के संरक्षण के लिए उनका संग्रह, शोध, प्रचार या प्रदर्शन किया जाता है जिसका उपयोग शिक्षा, अध्ययन और मनोरंजन के लिए होता है। संग्रहालय की समाज के विकास में अहम भूमिका है, क्योंकि संग्रहालय में ही हमारे इतिहास के दर्शन होते हैं।

दुनिया भर में सैंकड़ों की संख्या में संग्रहालय स्थापित है जो बच्चे से बुजुर्ग तक को हमारी पुरातन विरासत, संस्कृति, कला आदि को समाज से जोड़े रखने तथा उन्हें संरक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व के प्रतिष्ठित संग्रहालयों में लौवर संग्रहालय पेरिस, स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन, वाशिंगटन, डीसी ब्रिटिश संग्रहालय लंदन, मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट, न्यूयॉर्क वेटिकन संग्रहालय, वेटिकन सिटी एक्रोपोलिस संग्रहालय, एथेंस, राष्ट्रीय पैलेस संग्रहालय, ताइप हर्मिटेज संग्रहालय, सेंट पीटर्सबर्ग नृविज्ञान का राष्ट्रीय संग्रहालय, मेक्सिको सिटी और उफीजी गैलरी, फ्लोरेंस शामिल है। इन पंक्तियों के लेखक ने लंदन स्थित विश्व प्रसिद्ध ब्रिटिश संग्रहालय और साइंस म्यूज़ियम का भ्रमण किया है जहाँ हजारों की संख्या में देशी और विदेशी लोग प्रतिदिन संग्रहालयों को देखने आते है। ब्रिटिश संग्रहालय ब्रिटेन की राजधानी लंदन में स्थित दुनिया का एक बड़ा सार्वजनिक संस्थान है। 1753 में स्थापित, ब्रिटिश संग्रहालय दुनिया के सांस्कृतिक खजाने में से एक है। दुनिया के इस सब से महान मानवीय इतिहास, कला, संस्कृति और सभ्यता के संग्रहालयों में से एक माना जाता है। इसे दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय का दर्जा प्राप्त है। इसके स्थाई संग्रह में 80 लाख से अधिक वस्तुएँ हैं जो हर महाद्वीप से लाई गई हैं और मनुष्य जाति की शुरुआत से आजतक की संस्कृति का ज्वलंत दिग्दर्शन कराती है। लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम को दुनिया के सबसे बेहतरीन म्यूजियमों में गिना जाता है। लंदन के साउथ केंसिंग्टन स्थित नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में पृथ्वी के विकास की कहानी प्रदर्शित की गई है। यह म्यूजियम अनगिनत ऐतिहासिक वस्तुओं और कलाकृतियों के लिए मशहूर है। म्यूजियम में मानव के विकास सहित धरती के भौगोलिक और प्राकृतिक विकास से सम्बंधित हर पहलु की जानकारी उपलब्ध है। रोचक और सजीव ढंग से प्रदर्शित किया गया है कि पृथ्वी पर मानव जीवन से पहले विशाल और शक्तिशाली जीव थे जो बाद में विलुप्त हो गए और अब उनके जीवाश्म हमारे लिए संरक्षित रखे गए है। दुनिया के इतिहास की जानकारी जानने के इच्छुक लोगों विशेषकर बच्चों के लिए डायनासोर के जीवाश्म की एक पूरी गैलरी यहाँ मौजूद है।

प्राचीन सभ्यताओं से लेकर 21वीं सदी तक फैले 38,000 से अधिक कलाकृतियों के साथ लौवर संग्रहालय पेरिस मानव रचनात्मकता और कल्पना का खजाना है। वाशिंगटन, डीसी में स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय, शिक्षा और अनुसंधान परिसर है, जिसमें 19 संग्रहालय और गैलरी, राष्ट्रीय प्राणी उद्यान और नौ अनुसंधान सुविधाएं शामिल हैं। मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट, न्यूयॉर्क में प्राचीन मिस्र की कलाकृतियों से लेकर समकालीन चित्रों और मूर्तियों तक का प्रदर्शन है। वेटिकन सिटी में वेटिकन संग्रहालय संग्रहालयों और दीर्घाओं का एक संग्रह है जिसमें दुनिया की कुछ सबसे मूल्यवान और महत्वपूर्ण कला और कलाकृतियाँ हैं। संग्रहालयों के संग्रह में माइकल एंजेलो, राफेल और अन्य प्रसिद्ध कलाकारों के साथ-साथ प्राचीन रोमन और मिस्र की कलाकृतियां शामिल हैं। एथेंस, ग्रीस में एक्रोपोलिस संग्रहालय, प्राचीन गढ़ और इसके चारों ओर के स्मारकों को समर्पित है, जिसमें पार्थेनन, एथेना नाइके का मंदिर और एराचेथियोन शामिल हैं। ताइपेई, ताइवान में राष्ट्रीय पैलेस संग्रहालय, चीनी कला और कलाकृतियों के दुनिया के सबसे बड़े और सबसे महत्वपूर्ण संग्रहालयों में से एक है। संग्रहालय में प्राचीन चीनी चित्रों, मिट्टी के बर्तनों, सुलेख, और जेड नक्काशियों सहित 700,000 वस्तुएँ प्रदर्शित है। सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में हर्मिटेज संग्रहालय, दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध कला संग्रहालयों में से एक है। संग्रहालय के संग्रह में तीन मिलियन से अधिक वस्तुएं शामिल हैं, जिनमें प्राचीन कलाकृतियों से लेकर आधुनिक कला तक शामिल हैं। राष्ट्रीय संग्रहालय मेक्सिको सिटी में मानव विज्ञान का एक विश्व प्रसिद्ध संग्रहालय है जो मेक्सिको और मेसोअमेरिका की प्राचीन सभ्यताओं को समर्पित है। फ्लोरेंस, इटली में उफीजी गैलरी, दुनिया के सबसे पुराने और सबसे प्रसिद्ध कला संग्रहालयों में से एक है, जिसमें एक संग्रह है जिसमें माइकलएंजेलो, लियोनार्डो दा विंची और अन्य इतालवी पुनर्जागरण स्वामी के काम शामिल हैं। मध्य युग से पुनर्जागरण तक इतालवी कला के विकास को प्रदर्शित करने के लिए कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित प्रदर्शनों के साथ संग्रहालय के संग्रह में पेंटिंग, मूर्तियां और अन्य कला रूप शामिल हैं।

ऐसा ही एक अनूठा और नायब संग्रहालय देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय के नाम से बनाया गया है। यह संग्रहालय में देश के सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित है। संभवत- यह देश और दुनिया का एक मात्र संग्रहालय है जो आजादी के बाद के भारत के 75 साल के सुनहरे सफर की कहानी सुनाता है। यह संग्रहालय स्वतंत्रता के बाद देश के प्रधानमंत्रियों के जीवन और उनके योगदान के माध्यम से लिखी गई भारत की गाथा का वर्णन करता है।

राजनीति

असंभव संभावनाओं का अनोखा खेल है चुनावी राजनीति

अनिल त्रिवेदी

लेखक अभिभाषक व सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

इंदौर लोकसभा क्षेत्र में नोटा का सवाल 2024 की चुनावी राजनीति में सबसे बड़ा बवाल बन गया है! चुनाव पूर्व किसी भी मतदाता या चुनावी राजनैतिक विश्लेषक या व्याख्याकार के मन के किसी कोने में भी यह सवाल नहीं था कि इन्दौर में नोटा इतना चर्चित हो जावेगा या नोटा में इतनी बड़ी प्रतिरोध क्षमता छिपी हुई है।

चुनाव की शुरुआत मे हम सबके मन के किसी भी कोने में सुप्तावस्था में भी नोटा की हलचल या चर्चा भी मौजूद नहीं थी। कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा छुपकर अंतिम क्षण में अपने दल को बिना बतायें नामांकन पत्र वापस ले लेना और सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के चौंकाने वाले घटना क्रम के पश्चात जब कांग्रेस ने किसी अन्य दल या निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन देने के बजाय नोटा को समर्थन देने की घोषणा की साथ ही इंडिया गठबंधन से जुड़े राजनैतिक दलों के साथ कुछ आम मतदाताओं ने भी नोटा को अपनाने का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर समर्थन जाहिर किया ।तब से इन्दौर लोकसभा क्षेत्र की चुनावी राजनीति में नोटा के पक्ष-विपक्ष में राजनैतिक दलों में व्यापक चर्चा और मत मतान्तर इन्दौर लोकसभा क्षेत्र के साथ ही राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता सहित आम मतदाताओं में भी नोटा को विकल्प कहे जाने से व्यक्तिशः और सामूहिक रूप से राजनैतिक हलचल पक्ष-विपक्ष दोनों समूहों में में तेज होने लगी। यदि कांग्रेस का प्रत्याशी राजनैतिक दबाव में आकर अपना नामांकन वापस नहीं लेता और सतारूढ़ दल में शामिल होकर दल-बदल नहीं करता तो नोटा की इन्दौर लोकसभा क्षेत्र के मतपत्र में उपस्थिति तो होती पर नोटा की जनचर्चा जिस तरह आज हो रही है वैसे नहीं होकर सामान्य रूप से मतपत्र में अंतिम स्थान पर उसी तरह उपस्थिति होती जैसे देश के सभी लोकसभा क्षेत्र के मतपत्र में अंतिम स्थान पर नोटा मौजूद हैं। इन्दौर लोकसभा क्षेत्र में अलोकतांत्रिक परिस्थिति वश कांग्रेस का प्रत्याशी न होने से नोटा की विशेष स्थिति बनना और व्यापक रूप से राजनैतिक चर्चा होने का मुख्य कारण है।13 मई को मतदान के पश्चात इन्दौर लोकसभा क्षेत्र के चुनाव परिणाम में विजेता उम्मीदवार और निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी चाहे वह किसी राजनैतिक दल या निर्दलीय प्रत्याशी हो को इन्दौर लोकसभा क्षेत्र में कितने मत मिलेंगे इसका कोई आकलन या चर्चा ही नहीं हो रही है इसके उलट विजेता उम्मीदवार से भी ज्यादा नोटा जो इन्दौर लोकसभा क्षेत्र में उम्मीदवार न होकर इन्दौर लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं कि प्रतिरोध की अभिव्यक्ति का प्रतीक है को मिलने वाले मतों की संख्या से कई गुना ज्यादा इस बात की चर्चा हो रही है कि नोटा को कितने मत प्राप्त होगे? आम जनता सहित सारे राजनैतिक पंडित और सरकारी, असरकारी और दरबारी व्याख्याकार इस सवाल को लेकर आपस में उलझ गए हैं कि इन्दौर लोकसभा क्षेत्र में आखिर नोटा को कितने मत मिलेंगे। भारतीय चुनाव के इतिहास में इससे पहले ऐसा प्रसंग चुनावी विश्लेषण के लिए उपस्थित ही नहीं हुआ था ।यह पहला मौका है जिसमें नोटा का चुनावी गणित किसी को इस रूप में हल करना होगा यह किसी ने सोचा ही नहीं था। चुनावी राजनीति असंभव संभावना का अनोखा खेल है। इन्दौर लोकसभा क्षेत्र के चुनाव परिणाम में कौन विजेता होगा? इस पर किसी भी मतदाता और राजनैतिक व्याख्याकार के मन में कोई जिज्ञासा, संशय या सवाल ही नहीं है पर नोटा किस संख्या तक मतसंख्या के रूप में पहुंचेगा इस सवाल पर ही हर कोई गुत्थमगुत्था है। इस अनोखे अंदाज में नोटा एक राजनैतिक सवाल से ज्यादा राजनैतिक बवाल के रूप में खड़ा हो गया है ।

नोटा को लेकर कोई भी भाष्यकार आत्मविश्वास के साथ कहने की या निश्चित संख्या का अनुमान बताने की स्थिति में नहीं है। इन्दौर लोकसभा क्षेत्र का चुनावी धमासान इस मायने में भी अनोखा है कि विजेता का निकटतम प्रतिद्वंद्वी जो निराकार है और विपक्षी दल भी नहीं है से मुकाबला हो रहा है। इन्दौर लोकसभा क्षेत्र में नोटा निराकार ब्रह्म की तरह उपस्थित हैं। इन्दौर लोकसभा क्षेत्र के मतपत्र में नोटा न तो निर्वाचन में खड़ा प्रत्याशी हैं न ही नोटा की उपस्थिति को नकारा जा सकता है,न नोटा को पराजित किया जा सकता है और न ही नोटा से जीता जा सकता है। नोटा को न तो किसी राजनैतिक दल ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है और नहीं नोटा ने लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया है, तो नोटा की जांच का भी कोई सवाल ही नहीं खड़ा हो सकता है। नोटा को न तो जमानत राशि जमा करना है और न ही नामांकन पत्र दाखिल करना है। नोटा मतपत्र में बिना किसी औपचारिक कार्यवाही के सनातन रूप से मौजूद हैं नोटा को न कोई खरीद सकता है,न नोटा भयभीत हो नामांकन खुलेआम या छिपकर वापस ले सकता है। नोटा को कोई दल भी अपने दल में शामिल भी नहीं कर सकता है।मतपत्र में नोटा की उपस्थिति सनातन है। नोटा को कोई नकार नहीं सकता पर नोटा सभी उम्मीदवारों को नकारने के लिए ही जन्मा है। नोटा न तो किसी राजनैतिक दल विशेष का प्रत्याशी हैं और नहीं किसी राजनैतिक दल से नोटा का जुड़ाव है। नोटा को न तो कोई पराजित कर सकता है और नहीं नोटा किसी निर्वाचन में विजेता हो सकता है। नोटा की न तो ज़मानत जप्त हो सकती है और न ही नोटा की उपस्थिति पर कोई सवाल उठाया जा सकता हैऔर नहीं नोटा को चुनाव में कुछ खर्च करना है और नहीं चुनाव समाप्त हो जाने पर कोई हिसाब किताब या औपचारिक कार्यवाही सम्पन्न करना है। नोटा मतदाता का सर्वशक्तिमान विशेषाधिकार है जिसे कोई राजनैतिक जमात का उम्मीदवार और निर्दलीय प्रत्याशी नकार नहीं सकता। नोटा सबको नकार सकता है पर नोटा को कोई भी नकार नहीं सकता। सबको नोटा की उपस्थिति में ही चुनावी धमासान में भागीदारी करना है। यही नोटा की संवैधानिक ताकत है जो मतदाताओं को विशेषाधिकार से सम्पन्न नागरिक चेतना से ओतप्रोत निर्भीक नागरिक का दर्जा प्रदान करता है ।यह अपने आप में भारतीय मतदाता की विवेकशीलता की अनोखी ताकत है जिसे कोई भी किसी भी परिस्थिति में छीन नहीं सकता है।

सेहत

साइलेंट किलर की भूमिका में हाइपरटेंशन

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

लेखक स्तंभकार हैं।

डब्ल्यूएचओ ने उच्च रक्तचाप के बारे में कुछ मुख्य तथ्य दर्शाए हैं, दुनिया भर में 30-79 वर्ष की आयु के अनुमानित 1.28 अरब वयस्कों को उच्च रक्तचाप है, जिनमें से अधिकांश (दो-तिहाई) निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। अनुमानित 46 प्रतिशत वयस्क उच्च रक्तचाप से पीड़ित इस बात से अनजान हैं कि उन्हें यह समस्या है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित आधे से भी कम वयस्कों (42 प्रतिशत) का निदान और उपचार किया जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लगभग 5 में से केवल 1 वयस्क (21 प्रतिशत) में यह स्थिति नियंत्रण में है। उच्च रक्तचाप दुनिया भर में असामयिक मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, जिससे प्रति वर्ष 75 लाख मौतें होती है, जो वैश्विक स्तर पर लगभग 30 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार है।

हाइपरटेंशन या उच्च रक्तचाप, दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ती जानलेवा बीमारियों की जननी है, जिससे लाखों लोगों की समय से पहले मौत हो जाती है। अनियंत्रित उच्च रक्तचाप से दिल का दौरा या स्ट्रोक, धमनीविस्फार, दिल की धड़कन रुकना, गुर्दे संबंधित समस्याएं, आंखों की समस्या, चयापचयी समस्या, मनोभ्रंश, स्मृतिदोष जैसी जटिलताएँ उत्पन्न हो सकती हैं। उच्च रक्तचाप को साइलेंट किलर कहा जाता है क्योंकि साधारणत इसके लक्षण दिखाई नहीं देते और अचानक शरीर में आघात होता है। हर साल 17 मई को दुनियाभर में 'विश्व उच्च रक्तचाप दिवस' हाइपरटेंशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने, स्थिति का शीघ्र पता लगाने को बढ़ावा देने और स्वस्थ भविष्य के लिए उच्च रक्तचाप के प्रभावी प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। सामान्य बीपी अर्थात रक्तचाप 120/80 या उससे कम होता है। हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) तब होता है जब रक्त वाहिकाओं में दबाव सामान्य से बहुत अधिक (140/90 या अधिक) होता है, यह शुरुआत होती है, लेकिन अगर इलाज न किया जाए तो यह गंभीर हो सकता है। रक्त पंप करने के लिए हृदय को सामान्य से अधिक दबाव सहन करना पड़ता है। उच्च रक्तचाप का पता लगाने का एकमात्र तरीका अपने रक्तचाप की जांच करवाना है।

डब्ल्यूएचओ ने उच्च रक्तचाप के बारे में कुछ मुख्य तथ्य दर्शाए हैं, दुनिया भर में 30-79 वर्ष की आयु के अनुमानित 1.28 अरब वयस्कों को उच्च रक्तचाप है, जिनमें से अधिकांश (दो-तिहाई) निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। अनुमानित 46 प्रतिशत वयस्क उच्च रक्तचाप से पीड़ित इस बात से अनजान हैं कि उन्हें यह समस्या है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित आधे से भी कम वयस्कों (42 प्रतिशत) का निदान और उपचार किया जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लगभग 5 में से केवल 1 वयस्क (21 प्रतिशत) में यह स्थिति नियंत्रण में है। उच्च रक्तचाप दुनिया भर में असामयिक मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, जिससे प्रति वर्ष 75 लाख मौतें होती है, जो वैश्विक स्तर पर लगभग 30 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार है।

उच्च रक्तचाप में वैश्विक प्रभाव की स्थिति पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में कहा गया है कि, यदि उच्च रक्तचाप से पीड़ित आधे लोग भी अपने रक्तचाप को नियंत्रण में रखें तो भारत देश में 2040 तक कम से कम 46 लाख असमय होने वाली मौतों को रोका जा सकता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित केवल 37 प्रतिशत भारतीयों का ही निदान हो पाता है और उनमें से केवल 30 प्रतिशत ही इलाज करा पाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में, देश में उच्च रक्तचाप से पीड़ित केवल 15 प्रतिशत लोगों में ही यह स्थिति नियंत्रण में है। वास्तव में, इसमें कहा गया है, देश में दिल का दौरा जैसी हृदय संबंधी बीमारियों के कारण होने वाली आधी से अधिक मौतों (52 प्रतिशत) का कारण उच्च रक्तचाप हो सकता है। जर्नल ऑफ हाइपरटेंशन के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में उच्च रक्तचाप की समस्या सबसे अधिक है, लगभग 30 प्रतिशत भारतीय आबादी इससे पीड़ित है।

हममें से 90 प्रतिशत से अधिक लोग ऐसे गलत खान-पान का सेवन कर रहे हैं, जो जानवरों के भी खाने लायक नहीं है। तैलीय, मसालेदार, नमकीन, मैदा, मीठा और प्रोसेस्ड भोजन हमारे शरीर में धीमे जहर की तरह काम करते हैं, जो हमें घातक बीमारियों से मौत के मुँह में धकेलते है। आधुनिकता और दिखावा मनुष्य के विनाश का कारण बन गया है, आधुनिकता केवल हमारे विचारों में होनी चाहिए, ये मनुष्य समझ ही नहीं रहा है, कि भौतिक सुख सब कुछ नहीं है। भौतिक सुख-सुविधा पर निर्भरता ने मनुष्य को काफी हद तक मानसिक और शारीरिक तौर पर कमजोर कर दिया है, जिससे मनुष्य की सहनशक्ति, विचारशक्ति क्षीण होकर तनाव, चिड़चिड़ापन, दुर्व्यवहार और स्वार्थीवृत्ति में लगातार वृद्धि हुयी है। इससे सामाजिक समस्याओं में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, जिसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। बड़ी उम्र, आनुवंशिकी, अधिक वजन या मोटापा, शारीरिक रूप से सक्रिय न रहना, अधिक नमक वाला आहार, बहुत अधिक धूम्रपान, शराब पीना जैसी स्थिति उच्च रक्तचाप होने का खतरा बढ़ाता है। ग्रामीण आबादी के मुकाबले सुविधा संपन्न शहरी जनसंख्या अधिक बीमारियों का बोझ ढोते है। शहर में विकास के नाम पर शरीर कमजोर हो गए है। प्रदूषण, तनाव, गलत खानपान, व्यसन, अनिद्रा, मिलावटखोरी, व्यायाम की कमी, संसाधनों पर निर्भरता अर्थात् आधुनिक जीवनशैली ने शारीरिक और मानसिक तौर पर हमें बीमार बनाया है। अब हार्ट अटैक या स्ट्रोक उम्र देखकर नहीं बल्कि छोटे बच्चों से लेकर किसी को भी, कभी भी हो सकता है। प्रदूषित वातावरण इस हद तक बढ़ गया है कि गर्भावस्था के दौरान भी गर्भ में पल रहे बच्चों में विकलांगता और जानलेवा बीमारियों में वृद्धि हो रही है। स्वास्थ्य सम्बंधित बढ़ती समस्याओं के मूल कारण की ओर लोगों में विशेष जागरूकता नजर नहीं आती है। बीमारियां लगातार क्यों बढ़ रही है, इसके प्रति समाज और देश में बड़े पैमाने पर इतिहास रचने लायक जनजागृति और कड़े नियमों, कानूनों की आवश्यकता है। स्वास्थ्य से खिलवाड़ होने लायक कोई भी गतिविधि देश में नहीं होनी चाहिए, ये पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की है और सरकार को पूरा सहयोग करने की नैतिकता जनता की है।

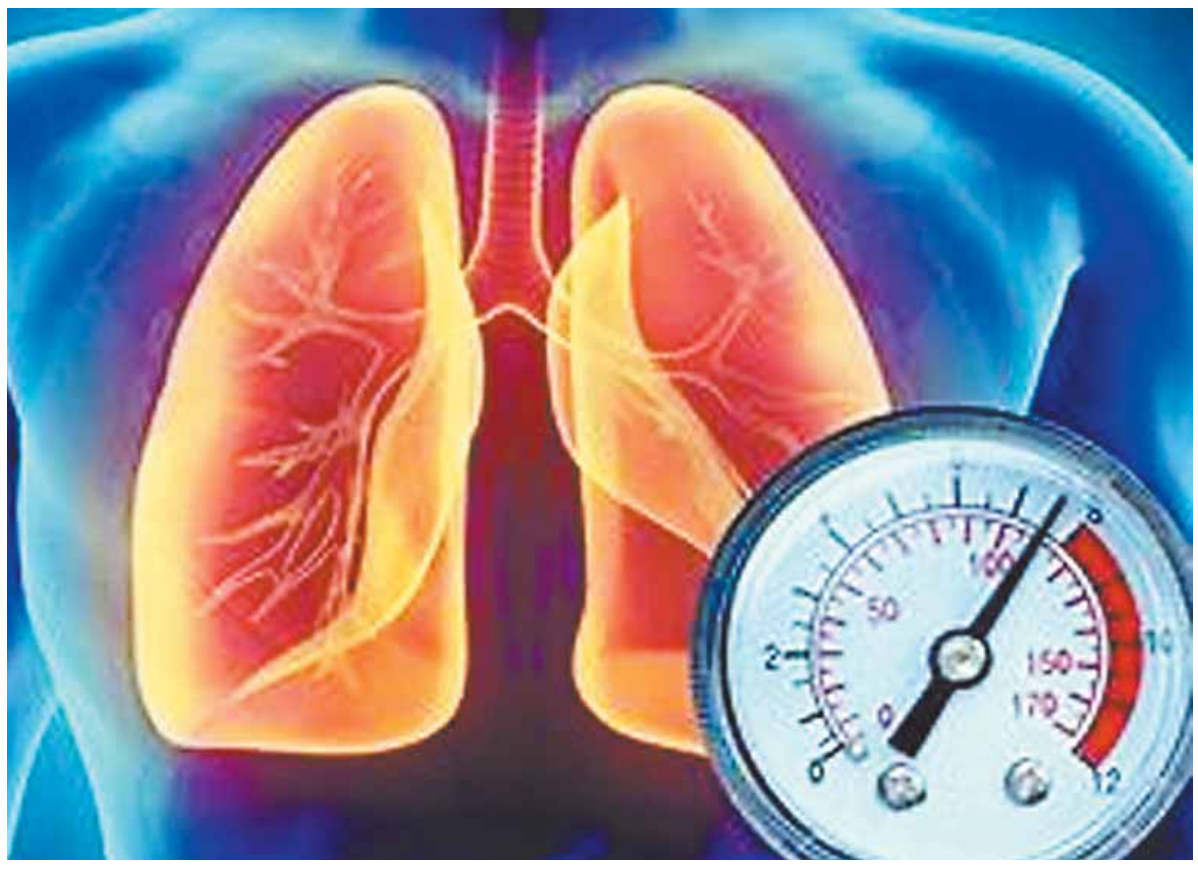

हाइपरटेंशन के रोकथाम में दवा और आधुनिक जीवनशैली में बदलाव के साथ-साथ अधिक हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल खाएं, ज्यादा देर तक लगातार बैठना टाले, शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय रहें, जैसे चलना, दौड़ना, तैरना, नृत्य करना या वजन उठाने जैसी ताकत बढ़ाने वाली गतिविधियां अपनी दिनचर्या में शामिल करें। अपने वजन को संतुलित रखें, तनाव को कम करके नियमित रूप से रक्तचाप की जाँच करें, समस्या हो तो योग्य उपचार करना आवश्यक है, चिकित्सक अनुसार देखभाल करें और औषधि लें। सकारात्मक विचारशैली, हेल्दी हॉबी, पोषक आहार, नशे से मुक्ति, स्वच्छता और रोजाना व्यायाम जैसी आदतें हमें बीमारियों से कोसों दूर रखती है। आज के युग की समस्या की सबसे बड़ी जड़ अर्थात झूठा दिखावा और लोगों से ज्यादा अपेक्षाएं है जो इंसान की सोच को कमजोर करती है, अगर हम ऐसे बेमतलब की बातों से दूर रहेंगे तो हम भावनात्मक रूप से मजबूत बनेंगे, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। निस्वार्थ परोपकार, समाज सेवा, प्रकृति और जानवरों से प्रेम, देश और समाज के प्रति नैतिक जिम्मेदारियों को निभाने से मानसिक शांति और आंतरिक संतुष्टि मिलती है कि हम इंसान बनकर जी रहे हैं, जो आज के समय में बहुत आवश्यक है, यह तनाव मुक्त जीवन जीने का एक आसान तरीका है।

चार दिन पहले भोपाल निकला वृद्ध लापता, परिजन हो रहे परेशान

बैतूल। जिले के आमला नगर के निवासी एक 60 वर्षीय बुजुर्ग 4 दिन पहले भोपाल के लिए ट्रेन से निकले थे। उसके बाद से उनका कोई पता नहीं है। उनके मोबाइल पर भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। इसके चलते उनके परिजन परेशान हो रहे हैं और खासे चिंतित हैं। आमला नगर के वार्ड नंबर 01 सोनी मोहल्ला निवासी पूरनलाल साहू (60) विगत 13 मई 2024 को भोपाल के लिए रवाना हुए थे। उनके परिजनों ने बताया कि वे इंदौर-नागपुर ट्रेन से निकले थे। उन्हें आंखों का इलाज कराने के लिए हमीदिया हॉस्पिटल, भोपाल जाना था। परिजनों के अनुसार वे न तो भोपाल के अस्पताल पहुंचे और न ही आज तक वापस घर लौटे हैं। इस बीच न तो उनकी ओर से कॉल आया और न ही परिजन संपर्क कर रहे हैं तो उनके मोबाइल पर ही कोई संपर्क हो पा रहा है। परिजनों के अनुसार वे सभी जगह उनका पता लगा चुके हैं पर उनकी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने अपील की है कि यदि श्री साहू के बारे में किसी को भी जानकारी हो तो वे मोबाइल नंबर 8962487028 या 7587601183 जरुर प्रदान करें।

सटोरियों पर थाना सारणी पुलिस की कार्यवाही

बैतूल। थाना सारणी पुलिस को सारणी क्षेत्र में सटोरियो को पकड़ने में सफलता मिली हैं। पुलिस अधीक्षक बैतूल कारयालय से मिली जानकारी के अनुसार सारणी क्षेत्र में सट्टे की शिकायतें प्राप्त हो रही थी, जिसके चलते सटोरियो पर कार्यवाही हेतू थाना सारणी से एक टीम गठित कर सटोरियो पर दबिश दी गई । गठित टीम द्वारा विभिन्न स्थानो से 6 सटोरीयो को पकड़कर कार्यवाही की गई जिनमें 1. रमेश पिता प्यारेलाल निवासी माँग मोहल्ला सारणी से 1120 रूपये एंव सट्टा सामग्री, 2. दीपक पिता मलकू पंद्राम निवासी ईट्टा भट्टा सारणी से 1140 रूपये एंव सट्टा सामग्री, 3. राजेन्द्र पिता रामचंद्र निवासी ईट्टा भट्टा सारणी से 980 रूपये एंव सट्टा सामग्री, 4. सुनिल पिता धन्नू वरकडे निवासी ईट्टा भट्टा सारणी से 1050 रुपये एंव सट्टा सामग्री, 5. गुलावराव पिता मुकुंदचंद निवासी बाजार मोहल्ला सारणी से 1250 रूपये एव सट्टा सामग्री, 6. सुखदेव पिता लक्ष्मण झरबडे निवासी लोहार मोहल्ला सारणी से 1350 रूपये एंव सट्टा सामग्री जप्त किये और आरोपियों को थाना लाकर उनसे पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि वे मनमोहन मालवीय निवासी पाथाखेडा को सट्टा देते है, जिसे भी धारा 109 भादवि में आरोपी बनाया गया। सभी सटोरियो पर सट्टा एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही कर कुल 6890 रूपये जप्त किए गए। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक प्रीति पालेवार, प्र.आर. श्रीराम उईके, प्र.आर. विवेक यादव, आर. जितेन्द्र जाट, म.आर. विट्टन कास्दे, लक्ष्मी कश्यप की मुख्य भूमिका रही।

नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले मनचले को मिली सजा

देवास/मोहन वर्मा। राजेन्द्र सिंह भदौरिया, प्रभारी उप संचालक/जिला लोक अभियोजन अधिकारी ने बताया कि- पीड़िता दिनांक 11.02.23 को शाम लगभग 04:15 बजे वह अपने स्कूल से छुट्टी होने के बाद वापस अपने घर जा रही थी, जैसे ही वह के.पी. कॉलेज के सामने पहुँची, तभी अभियुक्त वहाँ आ गया और उसने उसका रास्ता रोकते हुए उससे बात करने के लिए कहा था। जब उसने बात करने के लिए मना किया तो अभियुक्त ने बुरी नियत से उसका हाथ पकड़ लिया फिर वह हाथ छुड़ाकर अपने घर की ओर चली गई थी। इस घटना के लगभग 4-5 दिन पूर्व से अभियुक्त उसका पीछा कर रहा था, वह रोज स्कूल के गेट के बाहर आकर खड़ा हो जाता था। घटना के के कुछ दिन बाद भी जब वह डी.मार्ट गई थी, तब भी अभियुक्त ने उसका पीछा किया था और वह वहाँ गया था। घर जाकर उसने घटना के बारे में घरवालो को बतायी थी तथा अपने पिता के साथ आरक्षी केन्द्र नाहर दरवाजा पहुँचकर घटना की सूचना दी थी, जिसके आधार पर थाने पर प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध की गई तथा अन्य आवष्यक अनुसंधान उपरान्त अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। माननीय विषेष न्यायाधीष महोदय (पॉक्सो एक्ट), जिला देवास द्वारा निर्णय पारित कर अभियुक्त गोलू पिता कमल राजपूत आयु 25 वर्ष, निवासी जयषिव कॉलोनी, जिला देवास को भादंसं की धारा 341 में 01 माह का साधारण कारावास व 500/- रूपये अर्थदण्ड, पॉक्सो एक्ट की धारा 7/8 में 03 वर्ष का सश्रम करावास व 1000/-रूपये के अर्थदण्ड एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 11/12 में 01 वर्ष का सश्रम करावास व 1000/-रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। उक्त प्रकरण में शासन की और से पैरवी सुश्री ज्योति अजमेरा, एडीपीओ द्वारा की गई एवं कोर्ट मोहर्रिर नितिन धीमान एवं महिला आरक्षक मालती नागर का विषेष सहयोग रहा।

अक्षिता यादव सीबीएसई 10वीं में स्कूल मैरिट में द्वितीय रहीं

धार। सी.के.चंदेल उच्च माध्यमिक विद्यालय,धार (सी बी.एस.ई.) कक्षा दसवीं की छात्रा अक्षिता यादव (सुपुत्री निशा नितिन यादव) ने अपने विद्यालय की मैरिट में 87 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रही। बिना कोई अतिरिक्त कोचिंग एवं सेल्फ स्टडी से सर्वाधिक अंक प्राप्त करने तथा भविष्य में आय.आय.टी.क्लियर करने के सपने को साकार करने की उम्मीद के साथ अक्षिता ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने विद्यालय के समस्त गुरुजनों एवं अपने माता-पिता को समय-समय पर उनके द्वारा दिए गए उचित मार्ग दर्शन को दिया है।

अवैध उत्खनन मामले में रेत माफिया रिंकू राठौर, अरशद कुरैशी, महेन्द्र धाकड़, दीपेश पटेल, रविन्द्र चौहान समेत सात पर मामला दर्ज

रेत की चोरी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज

बैतूल। जिले के शाहपुर तहसील क्षेत्र में रेत का अवैध उत्खनन, परिवहन करने वाले माफियाओ के खिलाफ शाहपुर और चोपना थाने में तीन मामले दर्ज किए गए हैं। मुख्यमंत्री से हुई शिकायत के बाद कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ने स्वयं मौके पर रहकर मंगलवार और बुधवार को 20 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की एक लाख 40 हजार घन फीट रेत, आठ पोकलेन, बुलडोजर और 32 डंपर जब्त कराए हैं। रेत चोरी के मामले में पुलिस ने चोरी और विभिन्न धाराओं के तहत अलग-अलग तीन मामले दर्ज किए हैं। थाना शाहपुर में पुलिस ने सहायक खनिज अधिकारी बैतूल भगवंत कुमार नागवंशी द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर आरोपी अंकुर उर्फ रिंकु राठौर पिता कुश राठौर निवासी स्टेशन रोड शाहपुर, अरशद कुरैशी पिता मोहम्मद इरशाद कुरैशी निवासी बडचौक शाहपुर थाना शाहपुर व एक अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 379 भावि सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा-3 का अपराध पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। खनिज विभाग ने तहसील शाहपुर के ग्राम गुरगुंदा स्थित तवा नदी क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध उत्खननकर्ता एवं जब्तशुदा चेन माउन्टेड पोकलेन मशीन को भगाकर ले जाने वालो के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने का आवेदन दिया है। जिसमें उल्लेख है कि ग्राम गुरगुंदा तहसील शाहपुर स्थित तवा नदी क्षेत्र बसरा क्रमांक- 01, रकबा 34.552 है. क्षेत्र के अंश भाग में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की शिकायत प्राप्त होने पर गत 14-5-2024 को रात्रि के समय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व तहसीलदार शाहपुर एवं राजस्व अमला शाहपुर तथा उप संचालक (ख.प्र.) सहा. खनिज अधिकारी बैतूल द्वारा उक्त क्षेत्र का संयुक्त रूप से मौका निरीक्षण किया। जिसमें तवा नदी के समीप एक चेन माउन्टेड पोकलेन मशीन मॉडल नं. एक्सई 2101, पीवीएन एक्सयूजीबी 210 बीएचएमके 00887 रंग पीला को अवैध उत्खनन कर्ता द्वारा जांच दल की सूचना प्राप्त होने पर मौके से मशीन लेकर भागे। नदी क्षेत्र के समीप एक तालाबनुमा संरचना मे छोड दिया। मौके पर रेत उत्खनन से गड्ढे पाये गये थे। रात्रि का समय होने के कारण गड्ढो की नाप नहीं की गई थी तथा नदी के समीप लावारिस चेन माउन्टेन पोकलेन मशीन रंग पीला को जप्त कर ग्राम कोटवार श्रीराम शंकर हाथिया ग्राम गुरगुंदा को सुरक्षा के लिए सौंपा गया। गत 15 मई को कोटवार ने मशीन को जप्ती स्थल पर नहीं पाये जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया और जप्तशुदा मशीन को ले जाने की सूचना पुलिस चौकी भौरा मे लिखित में दी गई। उक्त रेत उतखनित स्थल ग्राम गुरगुंदा तहसील शाहपुर तवा नदी क्षेत्र में दिनांक 15.05.24 को राजस्व अमला शाहपुर एवं खनिज अमला बैतूल द्वारा गड्ढो की माप कर रेत मात्रा ज्ञात की गई है। मौके पर रेत उत्खनन से बने तीन गड्ढे पाए गए, जिनकी नाप अनुसार रेत उत्खनन की कुल मात्रा 70808 घनमीटर होती है।

थाना चोपना में भी हुआ मामला दर्ज

थाना चोपना में खनिज विभाग के खनिज निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार वशिष्ठ के आवेदन के आधार पर आरोपी अंकुर उर्फ रिंकू राठौर निवासी स्टेशन रोड शाहपुर तहसील शाहपुर जिला बैतूल, अरशद कुरैशी पिता मो.इरशाद कुरेशी निवासी स्टेशन रोड शाहपुर तहसील शाहपुर जिला बैतूल तथा जेसीबी मालिक (अज्ञात) के विरुध्द अपराध धारा 379 भादवि.एवं सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। ग्राम डेंडूपुरा तहसील शाहपुर स्थित तवा नदी क्षेत्र खसरा क्र.01 रकवा 24.479 है. एवं खसरा क्र. 7.2 रकबा 0.415 है. क्षेत्र के अंश भाग में खनिज रेत के अवैध उत्खनन ध् परिवहन ध् भण्डारण की शिकायत प्राप्त होने पर दिनांक 15.05.2024 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शाहपुर तहसीलदार शाहपुर एवं राजस्व अमला शाहपुर तथा उप संचालक (ख.प्र.) सहा. खनि. अधिकारी एवं खनि. निरीक्षक बैतूल द्वारा उक्त क्षेत्र का संयुक्त रूप से मौका निरीक्षण करने पर तवा नदी क्षेत्र में खनिज रेत के उत्खनन से निर्मित तीन नवीन गड्ढे पाये गये। जिसकी माप अनुसार उत्खनित खनिज रेत की कुल मात्रा 110610 घन मीटर होना पाया गया साथ ही खसरा क्र. 7.2 रकवा 0.415 है के अंश भाग पर खनिज रेत का अवैध भण्डारण होना भी पाया गया।

महेंद्र, दीपेश और रविंद्र भी नामजद

थाना चोपना में खनिज विभाग के खनिज निरीक्षक बैतूल द्वारा दिए आवेदन के आधार पर आरोपी महेन्द्र धाकड़ पिता सदाशिव धाकड़ निवासी ग्राम मांडवी तहसील आठनेर जिला बैतूल, दिपेश पटेल और रविन्द्र चौहान के विरुद्ध अपराध धारा 379 भादवि. एवं सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधि. की धारा 3 का अपराध पाया जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आवेदन में उल्लेख है कि ग्राम धासईमाल तहसील शाहपुर स्थित तवा नदी क्षेत्र खसरा क्र. 01 रकबा 6.738 हे. क्षेत्र के आंशिक भाग में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की शिकायत प्राप्त होने पर दिनांक 14.05.2024 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शाहपुर तहसीलदार शाहपुर एवं राजस्व अमला शाहपुर तथा उप संचालक (स.प्र.) सहा. खनि. अधिकारी एवं खनि. निरीक्षक बैतूल द्वारा उक्त क्षेत्र का संयुक्त रूप से मौका निरीक्षण करने पर तवा नदी क्षेत्र में खनिज रेत के उत्खनन से निर्मित दो नवीन गड्ढे पाये गये। जिसकी माप अनुसार उत्खनित खनिज रेत की कुल मात्रा 252 घन मीटर होना पाया गया। उत्खनित क्षेत्र के समीप एक चौन माउन्टेड पोकलेन मशीन पीले रंग माडल नंवर ईएक्स 210 एलसी सुपर एसएनओ.एसपी 2161071 भी अवैध उत्खनन कर्ता द्वारा जांच दल के आने की सूचना प्राप्त होने पर मौके पर मशीन छोड़कर भाग निकले।

इस वर्ष भी नहीं हो सकेगा, ताप्ती सरोवर जल निकासी द्वार निर्माण

स्लुस गेट निर्माण को लेकर अभी तक प्रक्रिया आगे नहीं बड़ी है, बारिश आने को है

बैतूल/ मुलताई। ताप्ती एवं शनि सरोवर के मध्य स्थित जल निकासी द्वार स्लुस गेट की समस्या का स्थाई समाधान इस वर्ष भी नहीं हो सकेगा, क्योंकि इस वर्ष भी स्लुस गेट निर्माण को लेकर प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है। अब वर्षा काल आने को है । जानकारों का मानना है कि इतने कम समय में राशि की स्वीकृति टेंडर प्रक्रिया का पूरा होना संभव नहीं है। महत्वपूर्ण तथ्य है कि नगर की जनता बीते 15 वर्षों से शनि सरोवर एवं ताप्ती सरोवर के मध्य स्लुस गेट निर्माण की मांग करते आ रही है। अनेकों बार नगर परिषद प्रस्ताव ले चुकी है किंतु उसके बावजूद भी सरोवर गेट निर्माण आज भी नगर प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल नहीं है।

खराब हुआ स्लुस गेट, जर्जर हुई पलिया- इधर दूसरी ओर स्लुस गेट पूरी तरीके से खराब हो चुका है, इसका नए सिरे से निर्माण करना होगा। गजानन मंदिर के समक्ष ताप्ती सरोवर पर स्थित जल निकासी मार्ग स्लुस गेट अत्यंत जर्जर अवस्था में पहुंच गया है, जिससे ताप्ती का जल स्तर बढ़ने के बाद निरंतर पानी का रिसाव होते रहता है। जलमार्ग के अंदर बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई है जहां पानी ने अपना रास्ता बना लिया है।

सबसे बड़ा संकट गेट के ऊपर बनी पुलिया का है जो कि नीचे से जर्जर हो गई है। प्लास्टर पूरा झड़ चुका है और लोहा जंग खाकर खराब हो गया है। ऐसी स्थिति में अगर वर्षा काल में यह पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाती है, या ढ़ह जाती है, तो गंभीर हादसा हो सकता है।

ताप्ती से जुड़े कार्य प्राथमिकता में शामिल क्यों नहीं- बीते 4 महीने में मुलताई नगर की अनेक योजना को स्वीकृति मिली है। कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत) 2.0 योजना वाटर सप्लाई जल प्रदाय के लिए 7 करोड़ 18 लाख रुपए, सूर्य नारायण सरोवर जीर्णोद्धार के लिए 91 लाख रुपए ,सूर्य नारायण सरोवर के पास पार्क एवं सौंदर्यीकरण के लिए 39 लाख रुपए । जानकारों का मानना है अगर नगर पालिका के लिए ताप्ती से जुड़े कार्य प्राथमिकता में शामिल होते तो इस योजना में घाट निर्माण और स्लूस गेट निर्माण को भी जोड़ा जा सकता था।

इनका कहना-

मैने ताप्ती स्लुस गेट निर्माण का 16 लाख रुपए का एस्टीमेट और डिजाइन बनाकर दिया था किंतु यह विभागीय रूप से नहीं था मां ताप्ती से जुड़ा मामला होने के कारण व्यक्तिगत रूप से नगर पालिका की मदद की थी।

- सीएल मरकाम एसडीओ जल संसाधन विभाग मुलताई

जल संसाधन विभाग डब्ल्युआरडी से 25 लाख रुपए का एस्टीमेट बनाया गया है । जिसकी प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति होना शेष है।

- योगेश अनेराव, उपयंत्री नगर पालिका मुलताई

वन्य प्राणी सांभर का शिकार करने वाले आरोपी को दो वर्ष का कठोर कारावास की सजा

बैतूल। मप्र वन्य प्राणी सांभर का शिकार करने वाले आरोपी को 2 वर्ष का कठोर कारावास और पांच हजार के जुर्माने से न्यायालय ने दंडित किया है। वन्य प्राणी सांभर का शिकार करने वाले आरोपी बस्तीराम पिता प्यारे, उम्र-30 वर्ष, निवासी-पाहावाड़ी, थाना आमला, जिला-बैतूल को धारा 9,51,52 वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के अपराध का दोषी पाते हुए 02 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5,000रू. के जुर्माना से दण्डित किया गया।

प्रकरण में मप्र.शासन की ओर से सहायक जिला अभियोजन अधिकारी अजीत सिंह द्वारा पैरवी की गई। दरअसल घटना दिनांक 10-02-2017 को वन परिक्षेत्र रानीपुर को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम साजपुर में वन्य प्राणी का शिकार किया गया है, मुखबिर सूचना के आधार पर दल गठित कर वन अमला साजपुर निवासी लच्छु के घर पहुंचा, लच्छु के घर से खून से सनी बेसा सहित कुल्हाड़ी जप्त की गयी, मौके की कार्यवाही का पंचनामा बनाया गया। लच्छु ने पूछताछ में बताया कि उसने साथी बस्तीराम तथा बिसौरी के साथ मिलकर वन्य प्राणी सांभर का शिकार किया था स कुल्हाड़ी से सांभर का मांस काटकर पकाने के उद्देष्य से लेकर आये है। लच्छु के बताने पर वन अमला बस्तीराम के घर पहुंचा, बस्तीराम उसके घर में चूल्हे के पास बैठा गंजी में मांस पका रहा था और कुछ पका हुआ मांस स्टील की थाली में रखा हुआ था, मौके पर गंजी व स्टील की थाली में रखे मांस को थाली सहित जप्त कर जप्तीनामा बनाया गया। इसके बाद वन अमला बिसौरी के घर पहुंचा, बिसौरी के घर में थाली में पका हुआ मांस पाया गया था, जिसे जप्त कर जप्तीनामा और मौका पंचनामा बनाया गया। आरोपीगण की निषादेही पर वन्य प्राणी सांभर के षिकार किये गये स्थान चौकीनदी आमनाला जाकर घटना स्थल की तस्दीक की गयी। घटना स्थल पर खून लगा पत्थर, अंतड़ी एवं वन्य प्राणी सांभर के बाल पाये गये, जिन्हें जप्ती कर जप्तीनामा बनाया गया। जप्तशुदा मांस को परीक्षण हेतु फॉरेंसिक लैब जबलपुर भेजा गया था, मांस परीक्षण रिपोर्ट में जप्तशुदा मांस वन्यजीव सांभर का होना पाया गया। जरूरी अनुसंधान उपरांत परिवाद विचारण हेतु न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

ATM में चोरी करने वाली महाराष्ट्र की शातिर गैंग आमला में पकड़ाई

पेचकस, सब्बल और कटर के साथ ATM में चोरी के लिए पहुंचे थे बदमाश

बैतूल। एटीएम में चोरी करने वाली महाराष्ट्र की गैंग को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली हैं। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्छल झरिया से मिली जानकारी के अनुसार गत 14-15 मई की रात करीब 00.35 बजे दो व्यक्तियों ने गोविन्द कॉलोनी आमला में ESAF बैंक के ATM की मनी डिस्पेंसर स्लीट पर प्लास्टिक की पट्टी पर गोंद जैसा पदार्थ चिपकाकर, किसी ग्राहक द्वारा रुपए निकालने के प्रयास के असफल हो जाने पर रुपए चोरी करने का प्रयास किया गया था। पुलिस की गाड़ी के सायरन की आवाज सुनकर अपराधी भाग गए थे। उक्त घटना की रिपोर्ट ESAF बैंक के प्रबंधक द्वारा थाना आमला में की गई थी। पुलिस ने अपराध धारा 457 अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया ।16-17 मई की रात आमला पुलिस ने तीन चोर-साईं पिता श्रीनिवास अलेटी उम्र 20 साल, रवि कुमार पिता अतरम जम्बी उम्र 20 साल तथा किशोर अपचारी लोकेश, शालू पिता पिंटू चौहान उम्र 17 साल 8 माह, सभी निवासी अबदुल कलाम आजाद पार्क के पास, कॉलोनी न.3, बल्लारशाह रोड चंद्रपुर महाराष्ट्र को मीर दातार मजार से लगी रेल पटरी के पास से ATM तोड़कर चोरी की योजना बनाते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने अपराधियों के पास से पेचकस, सब्बल और कटर भी जब्त किए। कार्यवाही के संबंध में अपराध क्र.312/24 धारा 401 पंजीबद्ध किया गया।

अपराधियों ने कबूल किया अपराध- ESAF बैंक से प्राप्त फुटेज के आधार पर की गई पूछताछ आदि के दौरान इन अपराधियों ने 14-15 मई की रात ESAF Bank में हुई घटना को स्वीकार किया है। इन अपराधियों में से लोकेश चौहान का पुलिस थाना रामनगर चंद्रपुर महाराष्ट्र में अपराधिक रिकॉर्ड भी है। आरोपी रवि कुमार बेलमपल्ली जिला मैंचेरियल तेलंगाना आरोपी लोकेश कानपुर का रहने बाला है। कुछ दिन पूर्व संपन्न क्राइम मीटिंग में भी एसपी श्री झरिया ने जिले के सभी थाना प्रभारी एवं अधिकारियों को इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के सम्बंध में निर्देश दिए गए थे।

मालती जोशी - मां की याद दिलाता व्यक्तित्व

स्मृति शेष
ममता तिवारी
लेखिका साहित्यकार हैं।

**सिगरेट की तरह उसके मुँह से
लगे रहने में बड़ा मजा आ रहा था
क्या था पता, बुझते ही
बूट से राख मसल चल देगा**

आज सभी लिखेंगे पद्मश्री मालती जोशी (2018) के बारे में लिखेंगे जिसे हम सब जानते है।

मालती दीदी की कहाँनिया हमारी घरेलू ज़िंदगी से उठाई गई थी मुझे आज भी याद है हम स्कूल में पढ़ते थे उस समय ''धर्मयुग'' में मालती दीदी का ''मन ना भये दस बीस'' धारावाहिक शुरू हुआ, बेहद रोचक हम जल्दी से पढ़ के (लोग जैसे आज सीरियल क अगले एपीसोड का इंतज़ार करते है) कहानी के लिये धर्मयुग की छीना छपटी होती, जो लोग ये मानते है कि उन्होंने स्त्री विमर्श, भारतीय संस्कृति परंपरा पर लिखा मैं ये भी मानती हूँ उनको मनोविज्ञान की इतनी समझ थी स्त्री के मन को पढ़ती। एक कहानी में एक स्त्री अपने देवर के लिये दूसरी स्त्री को देखने जाती है और सर्वगुण संपन्न उस स्त्री को रिजेक्ट करती है तो उनकी ननद कहती है हमें तो आपसे या देवर के हिसाब से वो ज़्यादा अच्छी लगी तो स्त्री कहती है ''तभी तो''। ये स्त्री मन की जलन के मनोविज्ञान का एक नमूना बस है, उनकी कहानियां लंबाई नहीं मांगती। छोटी छोटी, अड़ोस पड़ोस की सब्ज़ी चलाते, हलुआ बनाते (मेरे ख्याल से ऐसा ही वो लिखती थी) बर्तन जमाते, साज़िशे करती स्त्रियाँ हमारे समक्ष खड़ी हो जाती। हम में कोई ना कोई एक कहता कि अरे ये तो हमारी कहानी है। मालती दीदी ने मराठी

में भी खूब लिखा जया बच्चन ने उनकी सात कहानियों पर ''सात फेरे'' पर एक सीरियल बनाया था, गुलज़ार द्वारा निर्देशित ''क़िरदार'' में आपकी दो कहानियों को लिया गया था जब मैंने तारीफ़ की तो अपनी चिरपरिचित मुस्कान से उन्होंने जवाब दिया था बस हो गया। औरंगाबाद में जन्मी, हिंदी में स्नातकोत्तर मालती जी के पति सरकारी नौकरी में थे सो उन्हें म.प्र. घूमने को, घरेलू मददगारों पर लिखने का खूब मौका मिला। मुझे प्रोत्साहित करने के लिये उन्होंने कहा कि मेरे लेखन की शुरूआत भी गीतों से हुई तब उन्हें लोग ''मालवा की मीरा'' भी कहते थे जब मैं उनसे मिली थी तो बड़े अफ़सोस से उन्होंने बताया था कि जाने क्यों अब मैं गीत नहीं लिख पाती पर तुम कविता लिखना मत छोड़ना, मुझे मालूम है तुम भी एक दिन कहानी लिखोगी पर कविता मत छोड़ना।

वो चाहती तो क्लिष्ट भाषा (जैसे कि वो हिंदी में स्नातकोत्तर थी) और बुद्धिजीवी तरीके से कठिन कहानियाँ लिख सकती थी पर नहीं, उन्होंने चुनी सीधी सरल, आम बोलचाल वाली भाषा, आसपास की दुनिया। खास वर्ग का तो पाठक वर्ग जुटती जाता है, उन्होंने घरेलू आम पाठको के लिये खूब लिखा उनकी अपनी शैली जो उस समय किसी के पास नहीं थी जादू कर गई और लोग सरल भाषा में कही जाने वाली इन कहानियों के दीवाने हो गया। दो मिनट की मुलाकात में किसी भी व्यक्तित्व पर कहानी निकाल लेना उन्हें खूब आता। रसोई, बुनाई, संगीत उन्हें बहुतत पसंद था। रेडियों पर उन्हें खूब सुना था। जिया उन्होंने 90 वर्ष का जीवन दिल से जिया, खूब खुशी खुशी जिया ज़िंदगी से कभी शिकायत नहीं की। उनकी रचनाओं, जीवन के बारे में आप गूगल पर सब पा जायेंगे। मैंने जो पाया 'घर दी ज़्यों की त्यों चदरिया।' यही मेरी सच्ची श्रद्धांजलि है अपनी मां सरीखी मालती दीदी के लिये।

सीएम मोहन यादव अयोध्या पहुंचे

युगतुलसी की समाधि का पूजन कर रामलला का दर्शन किया

अयोध्या (नप्र)। मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव अचानक शुक्रवार को दोपहर अयोध्या पहुंचे और उन्होंने युगतुलसी पंडित रामकिंकर उपाध्याय की समाधि का पूजन किया।साथ में युगतुलसी की उत्तराधिकारी दीदी मंदाकिनी रामकिंकर

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव अचानक आज दोपहर अयोध्या पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उतरने के बाद से सीधे वासुदेवघाट स्थित युगतुलसी पंडित राम किंकर उपाध्याय की समाधि पर पहुंचे।यहां उन्होंने समाधि का दर्शन पूजन किया।इस दौरान रामायणम आश्रम की अध्यक्ष और युग तुलसी की उत्तराधिकारी दीदी मंदाकिनी राम किंकर से उन्होंने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर युगतुलसी की उत्तराधिकारी दीदी मंदाकिनी रामकिंकर से सीएम मोहन यादव ने युगतुलसी के साहित्य और धार्मिक योगदान की गहन जानकारी ली।उहोने युगतुलसी के साहित्य के अध्ययन के लिए उसे मांगा। युगतुलसी के कुछ ग्रंथ तत्काल प्रसाद के रूप में उन्हें युगतुलसी की उत्तराधिकारी दीदी मंदाकिनी रामकिंकर ने भेंट किया।अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकों भेजे जाने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सदस्य रघुनंदन शर्मा, ओम मेहता, यूपी भाजपा के महामंत्री सुभाष रघुवंशी,क्षेत्रीय महामंत्री मणींद्र पांडेय, क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा राहुल सहित सैकड़ों लोगों की मौजूदगी रही। रामाणम आश्रम में दर्शन के बाद सीएम मोहन यादव रामलला के दरबार में पहुंचे। जहां उन्होंने रामलला का दर्शन कर मंदिर निर्माण को करीब 15 मिनट देखा। इस अवसर पर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से राम मंदिर परिसर में उनका स्वागत किया गया।

सेवा सहकारी समिति जामगोद के प्रबंधक के साथ 17 लाख की लूट करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

देवास/मोहन वर्मा। दिनांक 1.5.24 के शाम करीबन 6.30 बजे थाना सोनकच्छ क्षेत्र के ग्राम जामगोद और तलोद के बीच तलाई के पास रास्ते में सेवा सहकारी समिति जामगोद के प्रबंधक फरियादी हरेन्द्र सिंह पिता सूरज सिंह ठाकुर जाति सेंधव उम्र 45 साल निवासी तालोद के ग्राम जामगोद कार्यालय से अपनी मोटरसायकल क्र. MP41.ML. 3095 से बेल्ट वाले बेग मे 17,09,000 रु रखकर ग्राम तालोद जा रहे थे । जाते समय पल्सर मोटर साइकिल पर आये तीन अज्ञात बदमाशो ने सर में डंडा मारकर घायल कर रुपयों से भरा बैग लुट कर ले गए । घटना की सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस अधीक्षक महोदय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना सोनकच्छ श्यामचन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में तत्काल मय फोर्स के रवाना होकर घटनास्थल पहुंचकर घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया । अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सोनकच्छ में अपराध क्रमांक 263/2024 धारा 394 भादवि का अपराध पंजीबध कर विवेचना मे लिया गया । प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवास श्री सम्पत उपाध्याय,भापुसे के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवास श्री जयवीरसिंह भदौरिया व अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सोनकच्छ श्रीमती दीपा मांडवे के निर्देशन में 03 विशेष टीमो का गठन किया गया । मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किये गये । जप्तशुदा सामग्री - नगदी 11 लाख रूपये,01 पल्सर मोटर साइकिल क्रमांक,01 CT-100 मोटर साइकिल मोडीफाइड,03 मोबाइल फोन कीमती लगभग 12 लाख रूपये का मश्रुका जप्त ।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम -

1.बाबा उर्फ़ महेंद्र सिंह पिता मांगी लाल फगुआ 40 साल निवासी ग्राम हरनावदा थाना सोनकच्छ ।
2.पंकज पिता बाबू सिंह साहेल 29 साल निवासी ग्राम दोलतपुर थाना सोनकच्छ ।

3.राजा उर्फ़ राजेंद्र पिता दिलीप बागवान 30 साल निवासी ग्राम गुराडिया हाथु थाना हाटपीपल्या ।
4.निलेश पिता रमेश सोलंकी 20 साल निवासी डेहरिया साहू थाना हाटपीपल्या ।
5.दुर्गेश पिता कमल सरगरा जाति ढोली 22 साल निवासी डेहरिया साहू थाना हाटपीपल्या ।
6.दीपक पिता पप्पू चौहान 20 साल निवासी डेहरिया साहू थाना हाटपीपल्या ।

आपराधिक रिकार्ड -

1.बाबा उर्फ़ महेंद्र सिंह पिता मांगी लाल फगुआ 40 साल निवासी ग्राम हरनावदा थाना सोनकच्छ ।

क्रमांक थाना अपराध क्रमांक धारा
1 सोनकच्छ जिला देवास 187/2016 294,323,506 IPC
2 सोनकच्छ जिला देवास 175/2018 294,34,379,506,511 IPC
2. पंकज पिता बाबू सिंह साहेल 29 साल निवासी ग्राम दोलतपुर थाना सोनकच्छ ।
क्रमांक थाना अपराध क्रमांक धारा
1 सोनकच्छ जिला देवास 155/2024 294,323,506,34 IPC
2 सोनकच्छ जिला देवास 175/2018 294,34,379,506,511 IPC
3. निलेश पिता रमेश सोलंकी 20 साल निवासी डेहरिया साहू थाना हाटपीपल्या ।।

क्रमांक थाना अपराध क्रमांक धारा
1 हाटपिपल्या जिला देवास 633/2022 279,337 IPC 180,181,03 MV Act
4. दुर्गेश पिता कमल सरगरा जाति ढोली 22 साल निवासी डेहरिया साहू थाना हाटपीपल्या ।

क्रमांक थाना अपराध क्रमांक धारा
1 हाटपिपल्या जिला देवास 224/2021 294,323,506,34 IPC
2 हाटपिपल्या जिला देवास 516/2023 294,323,324,506,34 IPC

सराहनीय कार्य - उक्त सरहानीय कार्य में निरीक्षक श्यामचंद्र शर्मा थाना प्रभारी सोनकच्छ,उनि.आर.के. शर्मा,उनि एस.एस. पटेल, आर विकास राजावत,सत्येन्द्र सोलंकी, श्याम बिहारी शर्मा,सुधीर,लक्ष्मन,रवि पाटीदार, सैनिक मांगीलाल थाना सोनकच्छ, प्रभारी सायबर सेल निरीक्षक केशव सिंह कुश्वाह,प्रआर शिवप्रताप सिंह सेंगर,सचिन चोहान,आरक्षक योगेश कदम,मोनू राणावत साइबर सेल टीम देवास का सराहनीय योगदान रहा ।

नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय ओपन पिकलबाल प्रतियोगिता में धार के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

धार। नागपुर में आयोजित विदर्भ ओपन पिकलबॉल प्रतियोगिता में धार के राहुल अग्रवाल ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 35+ एडवांस की दोनो कैटेगरी सिंगल्स और डबल्स में गोल्ड जीता।सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में राहुल अग्रवाल ने जबरदस्त उलटफेर करते हुए इंडिया नंबर 3 दिल्ली के सचिन पाहवा को एकल सेट में 15-5 से शिकस्त दी । साथ ही डबल्स कैटेगरी में राहुल और विजय की जोड़ी ने भूपेंद्र एवं सचिन को 15-11 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया।इसी टूर्नामेंट की अंडर 16 कैटेगरी के सिंगल्स में धार के ही सौम्य अग्रवाल ने सिल्वर एवं सहज अग्रवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता तथा जय अग्रवाल एवं पार्थ अग्रवाल की जोड़ी ने अंडर 16 डबल्स कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। साथ ही राहुल अग्रवाल एवं जय अग्रवाल का चयन अगले माह होने वाली भारत की पहली पिकलबाल प्रीमियर लीग के लिए हुआ जिसमे राहुल अग्रवाल की टीम नेटफ्लिकर्स एवं जय अग्रवाल को डी 3 हेसलर्स नेसर्वाधिक बोली लगाकर खरीदा जिसकी चैंपियनशिप अगले माह अहमदाबाद में आयोजित की जाएगी जिसमें 12 टीम देश के 156 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ आपस में भिड़ेगी।राहुल अग्रवाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन से धार खेल जगत में खुशी की लहर है साथ ही धार के खेल के इतिहास में एक खेल और जुड़ गया जिससे धार का नाम पूरे भारत में जाना जाएगा एवं जल्द ही बैडमिंटन की तरह धार को भी पिकलबाल की नर्सरी के रूप में पहचान मिलेगी। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर राइजिंग पिकल बाल एकेडमी के कोच जयंत सोलंकी एवं शुभी व्यास ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

19 मई को निकलेगी सर्व ब्राह्मण समाज की परंपरागत परशुराम शौर्य यात्रा

देवास। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा प्रतिवर्ष भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा राजराजेश्वर भगवान परशुराम जी की शौर्य यात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष भी यह शौर्य यात्रा अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष दिनेश मिश्रा के नेतृत्व में 19 मई रविवार को शाम 5.30 बजे से सयाजी द्वार से प्रारम्भ होगी। यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री पंडित नरोत्तम मिश्रा, एवं विशेष अतिथि परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया, सर्व ब्राह्मण युवा परिषद के संयोजक पंडित विकास अवस्थी, एवम वरिष्ठ समाज सेवी पंडित योगेश मिश्रा इंदौर रहेंगे। यात्रा का मुख्य आकर्षण समाज को संदेश देते हुई परशुराम जी, हनुमानजी की प्रतिकृति व समुद्र मंथन के दृश्य की झांकी होंगी । सम्पूर्ण यात्रा मार्ग पर पूरे समय भजनों की सुमधुर प्रस्तुतियां दी जाएगी, घोड़े, बग्घी, ढोल, ताशे, बैंड के द्वारा भी धार्मिक माहौल का निर्माण किया जाएगा। यात्रा की अगुवाई महिला मंडल द्वारा एक जैसी वेशभूषा में यात्रा में शामिल होकर किया जाएगा। सभी विप्रजन धार्मिक परम्परा अनुसार वेशभूषा में उपस्थित रहेंगे। यात्रा नावेल्टी चौराहा , सुभाष चौक, जनता बैंक चौराहा, जवाहर चोक होते हुए मंडी धर्मशाला पहुंचेगी। जहां पर भोजन प्रसादी के साथ यात्रा का समापन किया जाएगा। अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, महिला अध्यक्ष यशोदा शर्मा, युवासंघ जिलाध्यक्ष आदित्य दुबे, युवासंघ नगर अध्यक्ष विमल शर्मा ने यात्रा को सफल बनाने के लिए नगर के सभी विप्रजन ओर सनातनियो से यात्रा में शामिल होने के लिए निवेदन किया है।

अतिक्रमण दस्ते की ज्यादती पर उन्हें ही जान बचाकर भागना पड़ा

नर्मदापुरम। सतरास्ते पर सुबह साढ़े नौ दस बजे आज अचानक अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई गई, नगरपालिका अतिक्रमण हटाओ दल के प्रभारी ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी के आदेश का पालन यहां तुगलकी ढंग से किया, जिसमें उन्हें विरोध सामना ही नहीं किया बल्कि जान बचा कर भागने को मजबूर हुए। जैसे कुछ दिन पहले ग्रामीण सब्जी बेचने वालों को बगैर इत्तिला किए उनकी सब्जी छीन-झपटकर कर वे गाड़ी में सब्जियां भरकर ले गए थे उसी तर्ज पर

उन्होंने सतरास्ते पर अतिक्रमण हटाया, बिना पुलिस बल और बिना सूचना के सतरास्ते पर खड़े खाली चाट खटाई वाले ठेले को तोड़ना शुरू किया गया दोपहर बाद जो दो जून रोटी की जुगाड़ के लिए पुराने काली मंदिर वाली जमीन पर व्यवसाय शुरू करते हैं, करीब चार सजे सजाएं हाथ ठेले जेसीबी मशीन से तोड़कर नगरपालिका के वाहन पर रख लिए गए। जेसीबी का रुख जैसे ही फल बेचने वाले ठेलों को तोड़ने में हुआ, फल वाले भाग लिए, ठेले वालों की नपा कर्मचारियों ने कुछ फल भरे और कुछ खाली क्रेटे उठाकर और नाराजगी बड़ा डाली, बंद दुकान के बाहर रखी नमक की बोरियां तक कर्मचारी उठा ले गए... नगरीय व्यवस्था बनाने के लिए क्या यह तुगलकी अंदाज अतिक्रमण हटाने में जरूरी था..?

लालघाटी की तृप्ति अस्पताल के सहयोग से अल्वी बाबा जनकल्याण समिति के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

लालघाटी भोपाल की तृप्ति अस्पताल के सहयोग से अल्वी बाबा जनकल्याण समिति के तत्वावधान में स्वगीर्य के एस अल्वी की धर्मपत्नी श्रीमती श्रीमति परवीन अल्वी की पुष्य तिथि पर मारूपुरा में निःशुल्क शिविर में करीबन 250 मरीजों की गई जांच के उपरांत दवाईयां वितरित की गई। इस अवसर पर स्वगीर्य के एस अल्वी के सुपुत्र जहांगीर अल्वी, जिला पंचायत सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार हाकमसिंह पटैल भोपाल, तृप्ति अस्पताल के जनरल मैनेजर मार्केटिंग एस डी चौकसे, तृप्ति अस्पताल के संचालक राजेश कटियार,पूर्व मंडी कमेटी अध्यक्ष राजा भैया पटैल, माखननगर के पत्रकार राकेश नायक, बंटी खान,, विधायक प्रतिनिधि मिथलेश पटैल, भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद अन्ना काका सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। स्वास्थ्य शिविर में तृप्ति अस्पताल लालघाटी भोपाल के डॉक्टर जसवीर कौर स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर राकेश महावर कैंसर रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर सोमेश माथुर फिजिशियन ,डॉक्टर अमीता

तिवारी ,डॉक्टर निधि भार्गव, डॉक्टर अंजली डॉक्टर शंभू चौकसे ,डॉक्टर नलिनी, डॉक्टर योगेश शुक्ला एवं तृप्ति अस्पताल के संचालक राजेश कटियार ने शिविर में करीबन 250 मरीजों जांच की एवं दवाई देकर उचित मार्गदर्शन किया। इसके पूर्व गणमान्य नागरिकों ने स्वगीर्य श्रीमति परवीन अल्वी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके उनको याद किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 9 नर्मदा पुरम हाकम सिंह गुर्जर ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि ऐसे स्वास्थ्य शिवरों का आयोजन होते रहना चाहिए। ताकि जनमानस को सुविधा उपलब्ध हो। आपने आगे कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था।

संत भूरा भगत की जयंती पर विशेष आयोजन करके किया फलदार पौधारोपण

सुबह सवेरे सोहागपुर

भोलेनाथ के परम भक्त संत शिरोमणि श्री श्री 1008 भूरा भगत के अवतरण दिवस पर किया समाज के प्रहलाद गढ़वाल के निवास पर किया समाज सेवा समिति के तत्वावधान में विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर संत भूरा भगत की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके पूजन अर्चना की गई। सजातीय बंधुओं ने भी भूरा भगत जी की आरती उतारी। सजातीय बन्धुओं ने संत भूरा भगत के सामाजिक एकता भाईचारे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में प्रत्येक समाज के की सिद्ध पुरुष एवं संतों अवतार लेने से भारतीय भूमि पवित्र है।

इसी क्रम में एक है संत भूरा भगत महाराज की जयंती वैशाख शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाई जाती है।माना जाता है कि 16वीं सदीं में भक्तिकालीन युग में संत भूरा भगत महाराज का जन्म नागवंशी परिवार में हुआ था। उनको कतिया समाज का कुलदेव माना जाता है। संत भूरा भगत बचपन से ही भक्त प्रवृत्ति के थे। बचपन से ही प्रभु भक्ति में लीन रहने वाले संत भूरा महाराज एक बार ध्यान में ऐसे मगन हुए की दूसरे दिन उनकी समाधि टूटी। उस दिन के बाद वे घरबार त्यागकर भक्ति के लिए पहाड़ों पर तप करने हेतु चले गए। भूरा भगत ने तपस्या करके उन्होंने भोलेनाथ

को प्रसन्न करके वरदान प्राप्त किया। भूरा भगत की भक्ति के कारण धवला गिरी पर्वत स्थान परम पवित्र माना जाता है। उनकी साधना स्थली अब तीर्थ स्थल के समान है। संत की प्रतिमा एक शिला के रूप में यहां विद्यमान है। जो मध्यप्रदेश जिले के छिन्दवाड़ा के ग्राम नांदिया के पूर्व उनकी देनवा नदी के पास प्रतिमा विराजमान है।

वक्ताओं ने कहा कि भगवान् भोलेनाथ से उन्होंने यह वरदान मांगा था। कि मैं आपके ही चरणों में रहूं । तथा यहां आने वाले पथिकों को आपका मार्ग बता सकूं। यहां भूरा भगत महराज एक शिला के रूप में वहां मौजूद हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। इसके उपरांत पर्यावरण का संदेश देने के लिए गुरु नानक स्कूल स्थित हनुमान मंदिर परिसर में फलदार पौधारोपण किए गए। इस अवसर पर समाजिक बन्धु एस.आर.अरसे, प्रहलाद गढ़वाल ,सुनील कुमार गढ़वाल,नितिन कुमार सूर्यवंशी,भूपेंद्र सूर्यवंशी, नारायण लंजेश एवं कतिया समाज युवा संगठन के युवा साथी शुभम सयालवार,ऋषभ गढ़वाल, विवेक आम्रवंशी , मयूर गढ़वाल ,राजा अरसे, करण नागवंशी पंकज आम्रवंशी ,प्रधुम नागवंशी,प्रियांशु धरसे ,संस्कार गढ़वाल ,बसंत सूर्यवंशी उपस्थित थे।

मां के अंतिम संस्कार के दूसरे दिन छत्री पहुंचे सिंधिया

राजमाता माधवी की अस्थियों का संचय किया, निभाई रस्में; कलश नेपाल, प्रयागराज, उज्जैन भेजे जाएंगे

ग्वालियर (नप्र)। मां माधवी राजे के अंतिम संस्कार के दूसरे दिन शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया छत्री मैदान पहुंचे। यहां उन्होंने नम आंखों से रस्में निभाई। राजमाता की अस्थियों का संचय किया। अगले 9 दिन के लिए अस्थि कलश को छत्री मैदान के माधव बाग में रखा गया है। अस्थियों को अलग-अलग कलशों में नेपाल, उज्जैन और प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) ले जाकर विसर्जित किया जाएगा। 15 मई सुबह 9.28 बजे दिल्ली एम्स में राजमाता ने अंतिम सांस ली थी। गुरुवार को छत्री मैदान में वे पंचतत्व में विलीन हो गईं। अस्थि कलश संचय के दौरान सिंधिया के बेटे महानआर्यमन सिंधिया, परिवार के करीबी लोग, मंत्री तुलसीराम सिलावट, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर मौजूद रहे। यहां और भी लोग पहुंचे थे, लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया।

घर में शुद्धिकरण के बाद मेहमानों का आना-जाना शुरू होगा

राज परिवार के करीबी बाल खांडे ने बताया कि अस्थि संचय के बाद घर में शुद्धिकरण किया जाएगा और कुछ क्रियाएं होंगी। इसके बाद सिंधिया महल में वीवीआईपी मेहमानों के आने - जाने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। परिवार के लोग 9 दिन तक प्रतिदिन शाम 7 बजे तक आने वालों के लिए बैठेंगे। स्थानीय प्रशासन से कई कैबिनेट मिनिस्टर के ऑफिस से कार्यक्रम की डिटेल मांगी गई है। अस्थि संचय के बाद कलश को छत्री मैदान में पेड़ पर रखा गया है। अगले 9 दिन तक यह यहीं रखा रहेगा।

अव्यवस्थाओं पर नाराज हुए मंत्री सिलावट

अस्थि संचय के लिए पहुंचे मंत्री तुलसीराम सिलावट को मौके पर व्यवस्थाओं में कुछ कमी दिखी। उन्होंने वहीं से जिम्मेदार अधिकारियों को फोन लगाया। सिलावट ने कहा कि अंतिम संस्कार के समय की गई व्यवस्थाएं ठीक नहीं थीं। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। महिलाओं के लिए अलग से बैठने या लाइन की कोई व्यवस्था नहीं थी। लोग पानी न मिलने के कारण परेशान होते हुए नजर आए।

दूध, दही, पानी से शांत की चिता ; पंचगव्य से शुद्धि

राजपुरोहित चंद्रकांत शिंदे ने बताया, आज तीसरा दिन है। तीसरे दिन फूल उठाए जाते हैं। सिंधिया ने दही, दूध, पानी मिलाकर चिता को शांत किया, इसके बाद पंचगव्य से शुद्धि की है। फूलों को थैली में रखा गया है। अस्थियां तीन कलशों में पेड़ पर रखी गई हैं।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया का ये रहेगा शेड्यूल

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 17 मई, 18 मई, 19 मई, 23 मई, 24 मई, 25 मई, 26 मई को जय विलास पैलेस में रहेंगे। वे इन दिनों में सुबह 11 से दोपहर 1 बजे और दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक लोगों से मुलाकात करेंगे।

ग्वालियर रियासत की आखिरी महारानी थीं माधवी

ग्वालियर राजघराने की राजमाता माधवी राजे (76 वर्ष) का बुधवार को निधन हो गया। माधवी राजे नेपाल राजपरिवार की राजकुमारी थीं। उनकी सास राजमाता विजयाराजे सिंधिया का ताल्लुक भी नेपाल के ही एक राजघराने से था। ज्योतिरादित्य सिंधिया के पिता माधवराव सिंधिया और मां राजमाता विजयाराजे सिंधिया के बीच आई खटास में भी कभी उन्होंने मर्यादा नहीं तोड़ी।

फिर बढ़ सकती है गेहूं खरीदी की तारीख

किसानों से अधिकतम वसूली के लिए सरकार ने बढ़ाई ऋण राशि जमा करने की टाइम लिमिट

भोपाल (नप्र)। किसानों द्वारा जीरो प्रतिशत ब्याज पर लिए गण ऋण की अधिकतम वसूली के लिए सरकार ने ऋण राशि जमा करने के लिए एक माह की टाइम लिमिट बढ़ाई है। इसकी वजह यह है कि सरकार को पता है कि किसानों को डिफाल्टर घोषित करने से कोई फायदा तो होना नहीं है, इसलिए एक माह का समय देकर किसानों से बकाया ऋण राशि जमा करा ली जाए। उधर खरीदी केंद्रों पर गेहूं की आवक को देखते हुए सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदी की समय सीमा 20 मई से आगे बढ़ा सकती है। दो दिन पहले सहकारिता विभाग द्वारा जारी आदेश में वर्ष 2023 की खरीफ फसल पर अल्पकालीन ऋण लेने वाले किसानों का बकाया जमा करने की अवधि 31 मई 2024 करने के आदेश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि मंडियों में किसानों के भुगतान में आने वाले तकनीकी दिक्कतों के चलते यह फैसला किया गया है। 31 मार्च को खत्म हुए वित्त वर्ष में फसल ऋण की बकाया राशि जमा पर्याप्त रूप से जमा नहीं होने पर विभाग ने इसकी समय अवधि पहले 30 अप्रेल 2024 तय की थी और अब 31 मई 2024 कर दी गई है।

सूत्रों का कहना है कि सरकार को पता है कि किसानों को बकाया ऋण राशि जमा नहीं करने पर डिफाल्टर घोषित करने से कोई फायदा नहीं होना है। इसलिए किसानों को गेहूं, चना, मसूर, सरसों की बिक्री के बाद मंडियों से होने वाली समर्थन मूल्य की राशि से बकाया जमा करने के लिए यह मौका दिया गया है। दूसरी ओर खाद्य विभाग के अफसरों का कहना है कि गेहूं खरीदी का भुगतान समय पर किसानों को किया जा रहा है। किसानों को गेहूं का भुगतान तो तभी होगा जब उसे खरीदी के लिए दिए गए टाइम स्लाट में गेहूं बेचने का मौका मिलेगा और वह उस तारीख को गेहूं बेच सकेगा। भुगतान में देरी का कोई तकनीकी कारण नहीं है।

सीहोर के सलकनपुर देवीधाम में 10 से ज्यादा दुकानों में लगी आग

भोपाल (नप्र)। सीहोर में सलकनपुर देवीधाम मंदिर की 10 से ज्यादा दुकानों में आग लग गई है। सीढ़ी मार्ग के पास वाली दुकानें आग की चपेट में आई हैं। दमकल मौके पर थी। आग बुझाई जा रही थी।

'विद्यार्थी विज्ञान मंथन' का दो दिवसीय नेशनल कैंप का आयोजन आइसर भोपाल में

भोपाल (नप्र)। विज्ञान भारती द्वारा दिनांक 18-19 मई 2024 को 'विद्यार्थी विज्ञान मंथन' का दो दिवसीय नेशनल कैंप का आयोजन आइसर भोपाल में आयोजित होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत के 36 प्रान्तों से 486 विद्यार्थी, शिक्षक, विज्ञान चिंतक, वैज्ञानिक, वैज्ञानिक संचारक सहित कुल 1000 व्यक्ति इस प्रतियोगिता सह कार्यशाला मे भाग ले रहे है। 'विद्यार्थी विज्ञान मंथन' के बारे में विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से विज्ञान भारती की एक पहल है। वीवीएम छठी से ग्यारहवीं कक्षा के स्कूली छात्रों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसकी परिकल्पना छात्र समुदाय में वैज्ञानिक प्रतिभा की पहचान करने के लिए की गई है। इसके उद्देश्य विद्यार्थियों में शुद्ध विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना, कार्यशालाओं और अन्य आयोजनों के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना, छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए तैयार करने हेतु मार्गदर्शक प्रदान करना, वैज्ञानिक सोच रखने वाले छात्रों की पहचान करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करना, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सफल विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें सम्मानित करना, विजेताओं के लिए देश के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास संस्थानों में एक्सपोजर विजिट आयोजित करना है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप 2000 रूपया प्रतिमाह तथा 1 वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्थान में 1 से 3 सप्ताह का भ्रमण निः शुल्क कराया जाता है। दो दिवसीय इस कार्यशाला में भारतभर से वैज्ञानिक एवं नवाचारी जुड़ेंगे। विद्यार्थियों द्वारा बनाये गए साइंस मॉडल्स एवं प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन प्रसिद्द वैज्ञानिकों एवं प्राध्यापकों द्वारा किया जायेगा।

भिंड में पटवारी 3 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भिंड (नप्र)। भिंड जिले के लहार में शुक्रवार को लोकायुक्त टीम ने पटवारी को 3 हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। पटवारी ने जमीन बंटवारे को लेकर पैसे मांगे थे। लोकायुक्त निरीक्षक कवीन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि रुई निवासी राजबहादुर सिंह चौहान ने 13 मई को ग्वालियर लोकायुक्त कार्यालय में पटवारी की शिकायत की थी। जमीन बंटवारे को लेकर नायब तहसीलदार असवार के यहां आवेदन किया गया था, जिस पर फर्द सहित बटांकन रिपोर्ट लगाने के लिए नायब तहसीलदार ने पटवारी जितेन्द्र सोनी को आदेशित किया गया था। फर्द सहित बटांकन रिपोर्ट के एवज में पटवारी ने 3 हजार 500 रुपए की मांग की थी। राजबहादुर सिंह चौहान ने 500 रुपए पहले दे दिए थे।

देवास में डंपर चाचा-भतीजे को रौंदते हुए घर में घुसा, 6 घंटे तक हाईवे जाम

देवास (नप्र)। देवास के खातेगांव में एक डंपर ने चाचा-भतीजे को रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद डंपर घर में जा घुसा। हादसा गुरुवार रात करीब 9.30 बजे हुआ। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने देर रात इंदौर-बैतूल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। ग्रामीण कलेक्टर और डंपर मालिक को मौके पर बुलाने के लिए अड़े रहे। हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस अधिकारियों की समझाइश के बाद रात करीब 3:30 बजे ग्रामीण माने। हादसा ननासा बस स्टैंड के पास हुआ। राहुल गुर्जर और उसके चाचा लखन गुर्जर भजन-कीर्तन में जा रहे थे। दोनों रोड के किनारे पैदल चल रहे थे। इसी दौरान इंदौर से खातेगांव की ओर जा रहा डंपर दोनों को रौंदते हुए हरिओम पटेल के घर में जा घुसा।

मनाली के होटल में भोपाल की युवती की हत्या

बैग में लाश लेकर जा रहा था हरियाणा का दोस्त शर्ट पर लगे सब्जी के दाग से पकड़ा गया

भोपाल (नप्र)। मनाली घूमने गई भोपाल की एक युवती की उसी के दोस्त ने होटल केडी विला के कमरा नंबर 302 में हत्या कर दी। युवती की पहचान शाहपुरा की शीतल कौशल के रूप में हुई। हत्या का खुलासा तब हुआ, जब उसका दोस्त विनोद ठाकुर होटल से चैक आउट करने लगा। हिमाचल पुलिस ने गुमनाम आरोपी को सफेद शर्ट पर लगे सब्जी के पीले दाग के आधार पर 24 घंटे भीतर हिरासत में ले लिया। शाहपुरा निवासी शीतल (23) अपने माता-पिता के साथ रहती थी। कुछ दिन निजी कंपनी में काम करने के बाद उसने नौकरी छोड़ दी। पिता कैलाश ऑटो रिक्शा चलाते हैं, जबकि भाई रोहित ट्रैवल्स का काम करता है। रोहित ने बताया कि शीतल 5 मई की सुबह अचानक गायब हो गई। काफी तलाश के बाद भी जब नहीं मिली तो शाहपुरा थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। रोहित ने बताया कि विनोद पैसों के लिए शीतल को ब्लैकमेल कर रहा था। शीतल ने मुझसे कहा था कि भैया, मेरे साथ गलत हुआ है।

सोशल मीडिया के जरिए हुई थी दोस्ती: युवती भोपाल के नूतन कॉलेज से ग्रेजुएट थी। उसकी दोस्ती सोशल मीडिया के जरिए आरोपी से हुई थी। 5 मई को सुबह 11.30 बजे वह बिना बताए घर से निकली थी। 8 मई को परिजनों ने शाहपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस समय पर कार्रवाई करती तो उनकी बेटी बच सकती है। वहीं इस मामले में शाहपुरा थाने के प्रभारी रघुनाथ सिंह ने बताया कि युवती की गुमशुदगी परिजनों ने दर्ज नहीं कराई थी। परिजनों ने थाने में कोई सूचना नहीं दी।

सफेद शर्ट पर लगे सब्जी के पीले दाग से पकड़ाया आरोपी

डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि आरोपी विनोद युवती को पिछले 3 साल से जानता था। होटल स्टॉफ के पास युवक की पहचान का कोई दस्तावेज और फोटो नहीं था। होटल के कर्मचारियों ने बताया कि भागते समय वो सफेद शर्ट पहने था। शर्ट पर काली धारियां थीं। शर्ट पर आगे की तरफ सब्जी का पीला दाग भी लगा हुआ था। हमने मनाली, कुल्लू सहित अन्य टूरिस्ट प्लेस की चैक पोस्ट पर नाकेबंदी कर दी। चैकिंग के दौरान कुल्लू जिले की सीमा से लगे झीड़ी गांव के पास बस में उसे पकड़ लिया।

भारी बैग से हुआ शक, मैनेजर से मंगाई थी टैक्सी

गुरुवार को हिमाचल के कुल्लू जिले के एसपी डॉ. कार्तिकेयन गोकुलचंद्रन ने बताया कि भोपाल की रहने वाली युवती 13 मई को घूमने आई थी। वह मनाली के गोंपा रोड स्थित होटल में अपने दोस्त विनोद ठाकुर निवासी पलवल हरियाणा के साथ रूम नंबर 302 में ठहरी थी। युवती बिना बताए घर से निकली थी।

दोनों ने 13 मई को चैक इन किया था। दोनों 14 मई को घूमने के लिए सिस्सू (हिल स्टेशन) गए थे। शाम को दोनों वापस आए। इसके बाद उन्होंने अपने रूम में डिनर लिया। 15 मई यानी बुधवार की शाम को युवक ने होटल मैनेजर से बस स्टैंड जाने के लिए टैक्सी मंगवाई। कुछ देर में टैक्सी पहुंच गई तो विनोद अकेला ही सामान टैक्सी में रखने लगा। होटल स्टाफ ने जब युवती के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह लेह गई है। इस दौरान होटल के स्टाफ को एक बैग बहुत भारी सा लगा। जब पूछा कि बैग भारी क्यों है तो आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली, तो उसमें युवती का शव मिला। पुलिस ने 16 मई को कुल्लू के बिजौरा से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने आपसी विवाद के बाद हत्या की बात कही है।

युवती से मिलने भोपाल जाता था विनोद

मनाली पुलिस ने बताया कि आरोपी युवती से मिलने भोपाल भी जाता था। दोनों के बीच मोबाइल पर भी लंबी बातचीत होती थी। यह खुलासा शीतल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए विनोद ने शुरुआती पूछताछ में किया है। विनोद ने पूछताछ में ये भी बताया है कि वह और शीतल पहले भी एक बार कुल्लू, मनाली सहित हिमाचल प्रदेश के दूसरे टूरिस्ट प्लेस घूमने आ चुके हैं।

सप्रे संग्रहालय में युवा पीढ़ी अनुभव कर रही है इतिहास से रू-ब-रू होने का रोमांच

भोपाल (नप्र)। ''ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में जब हमने डेढ़ शताब्दी तक पुराने समाचारपत्रों की इबारत को पढ़ा तब ऐसा अनुभव हुआ मानो हम इतिहास के रू-ब-रू खड़े हो गए हैं।'' यह अनुभूति है उन युवजन की जो सप्रे संग्रहालय में प्रदर्शनी का अवलोकन करने बड़ी संख्या में आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के परिप्रेक्ष्य में दर्शकों का संग्रहालय आना बढ़ा है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से हस्तलिखित पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पोथियों, इतिहास के गवाह समाचारपत्रों, बर्रू की कलम-दवात समेत दुनियाभर से इकट्ठी की गई लेखनियों, डाक टिकटों और प्रथम दिवस आवरणों, करंसी नोट और सिक्कों, रेडियो, ग्रामोफोन और वायरलैस सेट तथा कैमरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में रुचि ले रही है। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के मोर्चे से डॉ. धर्मवीर भारती द्वारा लाए गए बम के खोल और आत्मसमर्पण दस्तावेज पर दस्तखत का दृश्य देखकर नौजवान पुलकित हो उठते हैं। दर्शकों का ध्यान जब 15 अगस्त, 1947 के समाचारपत्रों पर केन्द्रित होता है, तब वे जोर-जोर से बाँचने लगते हैं- इंडिया इज़ फ्री टुडे, शताब्दियों की दासता के बाद भारत में स्वतंत्रता का मंगल प्रभात, एक हजार वर्षों बाद भारत फिर स्वाधीन हो गया, इत्यादि। महात्मा गांधी की हत्या के समय देश-दुनिया ने कैसी मर्मांतक पीड़ा का एहसास किया होगा- माँ की छाती पर घोर वज्राघात, इस शीर्षक से पता चलता है। जब मानव के कदम पहले-पहल चन्द्रमा पर पड़े तब 21 जुलाई, 1969 के समाचारपत्रों का शीर्षक था- मैन लैण्ड्स ऑन मून। मजहब के फर्जी आधार पर भारत के दो टुकड़े करने की करतूत को जब 16 दिसंबर, 1971 को ठोकर मारी गई, तब अखबार ने लिखा- ढाका में पाक सेनाध्यक्ष जनरल नियाजी ने घुटने टेक दिए। युवा दर्शकों का एक समूह बहुत देर तक स्मारक सिक्कों और स्मारक डाक टिकटों का अवलोकन करने में जुटा रहा। कुछ ने तो उनके विषय और वर्ष भी लिख लिए हैं। भारत के पुराने सिक्कों- छेद वाला पैसा, बड़े आकार का पैसा, अधन्ना, इकन्नी, दुअन्नी, चवन्नी, अठन्नी, एक रुपया, ये ऐसे सिक्के हैं जो 1 नवंबर, 1956 को चलन से बाहर हो गए। दर्शकों में से अधिकांश का तो जन्म ही इसके काफी समय बाद हुआ।

यौन अपराधों से बच्चों को संरक्षण के लिये बना है पॉक्सो अधिनियम

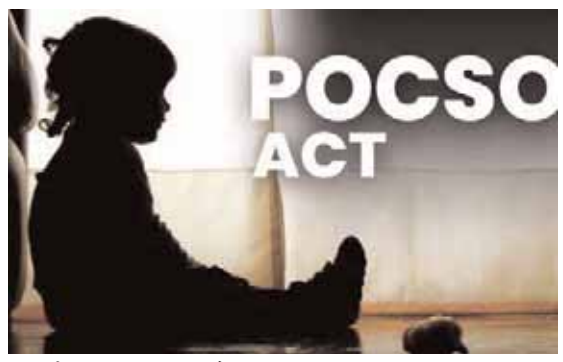

भोपाल (नप्र)। यौन अपराधों से बच्चों को संरक्षण देने के उद्देश्य से पॉक्सो प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्राम सेक्सुअल अफेंसेस एक्ट अधिनियम बनाया गया है। इस अधिनियम को महिला और बाल विकास मंत्रालय ने वर्ष 2012 में पॉक्सो एक्ट-2012 के नाम से बनाया है। इस कानून के अर्न्तगत नाबालिग बच्चों के प्रति यौन उत्पीडन, यौन शोषण और पोर्नोग्राफी जैसे यौन अपराध और छेड़-छाड़ के मामलों में कार्रवाई की जाती है। इस कानून के तहत अलग-अलग अपराध के लिए अलग-अलग सजा निर्धारित है। यह अधिनियम पूरे भारत में लागू है। पॉक्सो कानून के तहत सभी अपराधों की सुनवाई एक विशेष न्यायालय द्वारा कैमरे के सामने बच्चों के माता-पिता या जिन लोगों पर बच्चा भरोसा करता है, उनकी उपस्थित में होती है। वर्ष 2012 में पॉक्सो कानून के लागू होने के बाद वर्ष 2020 में पॉक्सो अधिनियम में कई अन्य संशोधन के साथ ऐसे अपराधों में मृत्युदंड की सजा का प्रावधान किया गया है।

पॉक्सो अंतर्गत आने वाले अपराध तथा दंड

- प्रवेशन लैंगिक हमला (धारा3)- कम से कम 10 वर्ष का कारावास, जिसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है एवं जुर्माना (धारा 4)
- गुरूत्तर प्रवेशन लैंगिक हमला (धारा 5)- कम से कम 20 वर्ष का कारावास, जिसे आजीवन करावास/मृत्यु दण्ड तक बढ़ाया जा सकता है एवं जुर्माना (धारा 6)
- लैंगिक हमला (धारा 7)- कम से कम 3 वर्ष का कारावास, जिसे 5 वर्ष तक के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है एवं जुर्माना (धारा 8)
- गुरूत्तर लैंगिक हमला (धारा 9)- कम से कम 5 वर्ष का कारावास, जिसे 7 वर्ष तक के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है, व जुर्माना (धारा 10)
- लैंगिक उत्पीडन (धारा 11)- 3 वर्ष का कारावास की सजा तथा जुर्माना (धारा 12)
- बच्चों का अश्लील उद्देश्यों/पोर्नोग्राफी के लिए इस्तेमाल करना (धारा 13)- 5 वर्ष का कारावास तथा उत्तरवर्ती अपराध के मामले में 7 वर्ष का कारावास तथा जुर्माना (धारा 14-1)
- बच्चों का अश्लील उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करते समय यौन प्रताड़ना के गंभीर मामले (धारा 14-2)- कम से कम 10 वर्ष का कारावास जिसे आजीवन कारावास/मृत्यु दंड तक बढ़ाया जा सकता है व जुर्माना।
- बच्चे का अश्लील उद्देश्यों हेतु इस्तेमाल करते समय गुरूत्तर प्रवेशन लैंगिक हमले के अति गंभर मामले- (धारा 14-3)
- सश्रम आजीवन कारावास व जुर्माना।
- बच्चे का अश्लील उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करते समय यौन प्रताड़ना के मामले- (धारा 14-4)- कम से कम 6 वर्ष का कारावास, जिसे 8 वर्ष के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है, व जुर्माना।
- बच्चे का अश्लील उद्देश्यों हेतु इस्तेमाल करते समय गुरूत्तर लैंगिक हमले के अति गंभीर मामले (धारा 14-5)- कम से कम 8 वर्ष का कारावास जिसे 10 वर्ष के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है, व जुर्माना।
- बच्चे से संबंधित किसी भी अश्लील सामग्री को व्यापारिक उद्देश्यों के लिए रखना (धारा 15)- 3 वर्ष कारावास अथवा जुर्माना अथवा दोनों।